केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

'विचारों' को पढ़कर 'छोड़' देने से 'जीवन' में कोई 'बदलाव' नहीं आता, 'विचार' तभी 'बदलाव' लाते हैं, जब 'विचारों' को 'जीवन' में उतारा जाता है!

वर्ष : 17 अंक : 13 | उज्जैन, मंगलवार 23 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

शिंदे का ऑपरेशन टाइगर सफल, 6 बागियों पर संजय राउत बोले- उपमुख्यमंत्री ने गद्दारों को जन्म दिया

मुंबई/ जीएनएस। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी) छोड़कर आए छह सांसदों को अपनी पार्टी में शामिल करते हुए कहा कि अब हमारे साथ छह टाइगर हैं। इस प्रकार ऑपरेशन टाइगर सफल हो गया है। दूसरी ओर शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि भाजपा में फडणवीस को कमजोर करने के लिए शिंदे का इस्तेमाल किया जा रहा है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने सोमवार को एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने गद्दारों को जन्म दिया है। राउत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री को सीजेरियन सर्जरी करानी होगी। करीब एक सप्ताह पहले शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सदस्यों ने अपना अलग गुट बनाने का पत्र लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा था। लेकिन उसके बाद सभी छह सांसद एक साथ नहीं आ रहे थे। इससे असमंजस का माहौल बना हुआ था। रविवार को विधानमंडल के मानसून सत्र की पूर्व संध्या में पर आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान जब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से ऑपरेशन टाइगर के बारे में सवाल किया गया था, तो उन्होंने कहा था कि हम जल्दी ही बड़ी खबर देंगे। सोमवार को वह शिवसेना (यूबीटी) के छह बागी सांसदों के साथ सामने आए और कहा कि एक ऑपरेशन टाइगर 2022 में हुआ था, जब हम बालासाहेब ठाकरे के विचारों को आगे ले जाने के लिए अलग हुए थे। तब हमारे साथ 40 विधायक थे, अब शिवसेना के दुबारा विधानसभा चुनाव जीतने के बाद हमारे पास 57 विधायक हैं। अब दूसरा ऑपरेशन टाइगर हुआ है। हमारे साथ छह टाइगर और आ गए हैं। अब ऑपरेशन टाइगर सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। शिंदे की ही पार्टी के वरिष्ठ नेता रामदास कदम ने भी ऑपरेशन टाइगर को सौ प्रतिशत सफल बताते हुए कहा कि अब ऐसा ही एक ऑपरेशन मुंबई महानगरपालिका में भी होगा। उनका इशारा मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में चुनकर आए शिवसेना (यूबीटी) के पार्षदों के शिवसेना में शामिल होने की ओर था।

बिहार में जीविका दीदियों को मिलेगी 125 दिन के रोजगार की गारंटी, 6715 करोड़ से शुरू होगी नई योजना

पटना/ जीएनएस। सरकार विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण (वीबी जी राम जी) में अकुशल श्रमिकों के साथ ही जीविका दीदियों को भी रोजगार देगी। अभी तक मनरेगा के तहत जीविका दीदियों को रोजगार नहीं मिलता था। ग्रामीण विकास विभाग की ओर सोमवार को अधिवेशन भवन में उप विकास आयुक्तों एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण में यह बात उभर कर सामने आई। अहम यह है कि बिहार पहला ऐसा राज्य है जहां वीबी-जी राम जी को सबसे पहले लागू किया गया। पहली जुलाई से योजना के लागू होने के बाद जीविका दीदियों के लिए गांवों में आधुनिक ग्रामीण हाट बनाने के साथ-साथ इनका राष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्किंग भी किया जाएगा। किसानों के उत्पादों को भंडारित करने के लिए भी तकनीकी आधारित सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत-जी राम जी (वीबी-जी राम जी) अधिनियम के तहत अकुशल श्रम कार्य करने के इच्छुक पात्र ग्रामीणों को प्रति वर्ष 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी। उन्होंने योजना के मुख्य बिंदुओं पर की चर्चा करते हुए कृषि और मौसम आधारित योजनाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया है। केंद्र सरकार से सभी राज्यों में बीवीजीरामजी के तहत एक समान मजदूरी निर्धारित करने के साथ-साथ पूर्व की लंबित राशि को शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया।

सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी और आवासों में ईको फ्रेंडली भवन निर्माण सामग्री के उपयोग को करें प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री

विकास कार्यों का जिला स्तर पर होगा प्रेजेंटेशन - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर जिला मुख्यालयों पर होने वाले कार्यक्रमों में जिलों के प्रभारी मंत्री, जिलों में हुए विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करेंगे। समारोह स्थल पर विकास कार्यों और योजनाओं को जनसामन्य के सामने रखने के लिए प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी, यह प्रेजेंटेशन एक तरह से विकास कार्यों के सोशल ऑडिट जैसा होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला विकास समितियों का राजधानी भोपाल में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिला विकास समितियां विकास गतिविधियों के लिए शासकीय नियोजन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। निजी निवेश को भी प्रोत्साहित करने के लिए जिला विकास समितियां प्रयास करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने और किफायती आवासों के निर्माण में ईको फ्रेंडली भवन निर्माण सामग्री के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने राज्य के विभागवार, संभागवार और जिलावार समस्त सांख्यिकी आंकड़े एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंत्रालय में योजना, आर्थिक एवं साख्यिकी विभाग की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उप-मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, श्री मनीष रस्तोगी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विश्राम घाट पर ही मृत्यु पंजीयन की हो व्यवस्था- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र में सभी विभागों की गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। योजना अंतर्गत कराए गए कार्यों के संधारण की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योजना में श्रेष्ठ कार्य तथा नवाचार करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु पंजीकरण की व्यवस्था की समीक्षा के दौरान मृत्यु पंजीयन के लिए विश्राम घाट पर ही पंजीयन की प्रक्रिया शुरू करने की व्यवस्था के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। इससे विशेष रूप से ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्र के लोगों को मृत्यु प्रमाण-पत्र प्राप्त करने में आसानी होगी।

जिलों के विकास सूचकांक स्थानीय परिस्थितियों पर हों आधारित - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों के विकास सूचकांक स्थानीय परिस्थितियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर अलग-अलग निर्धारित किया जाए। औद्योगिक पृष्ठ भूमि, कृषि आधारित व्यवस्था, वन क्षेत्र संपन्न जिलों के लिए विकास के सूचकांक अलग-अलग हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण क्षेत्र में स्वयं का मकान बनाने वालों को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने और उपयुक्त भवन निर्माण सामग्री के संबंध में जागरूक करने के लिए भी जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रस्फुटन और नवाकुंर समितियों की रही सक्रिय सहभागिता- मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक एक लाख 37 हजार से अधिक छात्र लाभान्वित हो चुके हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रस्फुटन और नवाकुंर समितियों ने कुएँ, बावड़ी, तालाब, नदी घाट सफाई, जल संगोष्ठी और बावड़ी उत्सव जैसे आयोजनों में सक्रिय सहभागिता की। बैठक में बताया गया कि विमुक्त, घुमंतु और अर्द्ध-घुमंतु परिवारों के चिन्हाकंन और पंजीकरण के लिए जारी अभियान में अब तक पच्चीस हजार से अधिक परिवारों की जानकारी पोर्टल पर प्रविष्ट की जा चुकी है। प्रदेश में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रशिक्षण की प्रक्रिया भी जारी है।

पेट्रोल-डीजल पर जल्द मिलेगी गुड न्यूज? सस्ते हो रहे क्रुड से तेल कंपनियों को राहत

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया शांति समझौते की घोषणा के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है। इससे सरकारी तेल कंपनियों को होने वाला घाटा काफी कम हो चुका है और अब इनके लाभ में सुधार होने की उम्मीद है।

ब्रोकरेज फर्म जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकारी रिफाइनरियों और खुदरा ईंधन विक्रेताओं के पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब हाल के पश्चिम एशिया संघर्ष से पहले के स्तर से ऊपर है। इसका कारण कच्चे तेल की कम कीमतें और केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती है। हालांकि, रिपोर्ट में इस बात की चिंता व्यक्त की गई है कि बढ़ते कर्ज और ईंधन कर को लेकर अनिश्चितता इस क्षेत्र की लंबी अवधि की कमाई की संभावनाओं को सीमित कर सकती है।

जब वैश्विक कच्चे तेल की कीमत करीब 115 डॉलर प्रति बैरल थी, तब सरकार ने बताया था कि तेल कंपनियों को पेट्रोल पर 23 रुपये और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर का घाटा हो रहा है। पिछले सप्ताह आई रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोल पर यह घाटा कम होकर मात्र तीन रुपये प्रति लीटर रह गया है।

कंपनियों को कितना घाटा- मई में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कुल मिलाकर करीब 7.50 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई, लेकिन पेट्रोल पंप पर ईंधन के दाम लागत से कम थे। हाल के महीनों में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने तेल कंपनियों के भारी घाटे पर चिंता जताई थी।

उन्होंने कहा था कि कंपनियां पेट्रोल, डीजल और एलपीजी बेचने पर रोजाना करीब 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही हैं और कुल अंडर-रिकवरी करीब दो लाख करोड़ रुपये के आसपास पहुंच गई है।

ऑयल कम्पनियों को लाभ की उम्मीद - रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में भंडार में पहले से मौजूद महंगे तेल के चलते तेल कंपनियों की कमाई पर दबाव रहेगा, लेकिन जुलाई-सितंबर तिमाही से स्थिति सुधरने की उम्मीद है। हालांकि, दो बड़े मुद्दे इस सुधार को सीमित कर सकते हैं।

पहला, पिछले महीनों में कंपनियों ने काफी कर्ज लिया है, जिससे वैल्यूएशन प्रभावित होगा। दूसरा, मुनाफे में सुधार का बड़ा हिस्सा एक्साइज शुल्क कम करने से आया है। सरकार ने मार्च में पेट्रोल-डीजल पर 10-10 रुपये प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी घटाई थी, जिससे राजस्व में सालाना करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर तेल की कीमतें अगर धीरे-धीरे कम होती रहती हैं तो भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल), इंडियन ऑयल (आईओसी) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में से बीपीसीएल और आईओसी को निकट भविष्य में सबसे अधिक लाभ होने की उम्मीद है। एलपीजी पर नुकसान अभी भी ज्यादा है, लेकिन कच्चे तेल की कीमत कम होने से इसमें भी राहत मिलने की उम्मीद है।

ममता बनर्जी की टेंशन का फायदा उठा रही कांग्रेस, बंगाल में पुराने जनाधार को साधने की कोशिश

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल की राजनीति में करीब 15 वर्ष बाद नया राजनीतिक समीकरण बनता दिखाई दे रहा है। चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर लगातार सामने आ रही असंतोष और टूट की घटनाओं के बीच वाम दल और कांग्रेस अपने पुराने जनाधार को दोबारा मजबूत करने की कोशिश में जुट गए हैं।

जिन क्षेत्रों में कभी तृणमूल ने वाम और कांग्रेस का संगठन कमजोर कर अपनी पकड़ बनाई थी, अब वहीं विपक्ष नए सिरे से अपनी जमीन तैयार करने का प्रयास कर रहा है।

बंगाल में बदल रहे राजनीतिक समीकरण- राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तृणमूल के भीतर बढ़ती गुटबाजी, स्थानीय स्तर पर असंतोष और विभिन्न विवादों ने विपक्ष के लिए नई संभावनाएं पैदा की हैं।

कई इलाकों में तृणमूल छोड़ने वाले नेता और कार्यकर्ता वाम दलों तथा कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। इनके जरिए विपक्ष स्थानीय स्तर पर संगठन और जनसंपर्क अभियान मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहा है। वाम दलों और कांग्रेस का दावा है कि तृणमूल के भीतर का असंतोष ही बंगाल में एक मजबूत राजनीतिक विकल्प की आवश्यकता को सामने ला रहा है।

लखनऊ अग्निकांड से नाराज सीएम योगी, सारे कार्यक्रम रद कर मांगी घटना की रिपोर्ट, अधिकारियों पर गिरेगी गाज

लखनऊ/ जीएनएस। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ अग्निकांड के बाद 23 जून के अपने सभी आधिकारिक कार्यक्रम रद कर दिए हैं। उन्हें मंगलवार को हाथरस में 548 करोड़ की 143 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करना था। इसके बाद आगरा में उन्हें विकास कार्यों व कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक लेनी थी।

गौरतलब है कि जिस समय यह अग्निकांड हुआ, सीएम योगी अलीगढ़ में विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इसकी जानकारी मिलते ही अपना दौरा बीच में रद कर दिया और तत्काल लखनऊ के लिए रवाना हो गए। वह सीधे अलीगंज स्थित अग्निकांड स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने घटना की पूरी जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने केजीएमयू जाकर घायल बच्चों व उनके परिजनों से भी मुलाकात की। अलीगढ़ में आयोजित लोकार्पण/शिलान्यास कार्यक्रम में संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने जनसमूह से कहा कि मेरी इच्छा थी कि यहीं रहूं, लेकिन अभी-अभी जानकारी मिली है कि लखनऊ में एक दुर्घटना हुई है और कुछ बच्चे अग्निकांड की चपेट में आए हैं।

खाड़ी देशों में 12वीं बोर्ड के छात्रों की रद परीक्षा के लिए CBSE ने बनाई नई शिक्षा नीति, केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सीबीएसई ने खाड़ी देशों के उन प्राइवेट छात्रों के मूल्यांकन के लिए नई नीति बनाई है, जो हालिया ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण 12वीं की बोर्ड परीक्षा रद होने से प्रभावित हुए थे।

जस्टिस एसवीएन भट्टी और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ को केंद्र और सीबीएसई की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि 21 जून को जारी नई नीति के तहत जिन विषयों की परीक्षा नहीं हो सकी, उनके लिए प्राइवेट अभ्यर्थी के प्रदर्शन का आकलन 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में थ्योरी में मिले अंकों का 40 प्रतिशत और 12वीं की पिछली बोर्ड परीक्षा में थ्योरी में मिले अंकों का 60 प्रतिशत जोड़कर किया जाएगा। मेहता ने बताया कि सात खाड़ी देशों में परीक्षा रद होने से मुख्य रूप से स्कूलों के नियमित छात्र और प्राइवेट अभ्यर्थी प्रभावित हुए।

प्राइवेट अभ्यर्थियों के मामले में एक चुनौती यह थी कि उनका कोई स्कूल नहीं था जो आंतरिक मूल्यांकन रिकार्ड (जैसे तिमाही, छमाही और प्री-बोर्ड परीक्षा के अंक) दे सके। इन्हीं के आधार पर 27 मार्च की मूल मूल्यांकन योजना तैयार की गई थी।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया- सुप्रीम कोर्ट सऊदी अरब के अल जुबैल के प्राइवेट अभ्यर्थी प्रांशु जिगरकुमार पटेल की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। उसने सीबीएसई की मूल मूल्यांकन योजना के अनुसार अपनी 12वीं के इम्प्रूवमेंट एक्जामिनेशन के परिणाम घोषित नहीं किए जाने को चुनौती दी थी।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने मृतकों के परिवारजनों को दो-दो और मुख्यमंत्री ने दी पांच-पांच लाख रुपये की सहायता, घायलों को भी मदद

लखनऊ/ जीएनएस। राजधानी लखनऊ में सोमवार दोपहर अलीगंज के पुरनिया/सेक्टर डी क्षेत्र में एक तीन मंजिला भवन में भयानक आग की चपेट में आकर 18 लोगों ने दम तोड़ दिया और 12-13 गंभीर रुप से घायल हैं। तीन मंजिला इमारत में लगी आग ने नीचे की दुकान से शुरू होकर ऊपर चल रही कोचिंग और गेमिंग स्टूडियो को अपनी चपेट में ले लिया। इस अग्निकांड से पीएम नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद आहत हैं।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने मृतक के परिवारीजन को दो-दो लाख और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद की घोषणा की है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने लखनऊ के भीषण अग्निकांड पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने हादसे में मारे गए लोगों के परिवारजनों को केंद्र की ओर से दो-दो लाख रुपए मुआवजा दिए जाने का ऐलान किया है। इसके साथ ही घायलों को 20-20 हजार रुपये और उचित इलाज प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अग्निकांड में मृतकों के परिवार का लोगों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। उन्होंने घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक मदद का ऐलान किया है। इसके साथ ही सभी को समुचित इलाज भी मुहैया कराने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती घायलों का हालचाल लिया और सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने अग्नि दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया एवं किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय पहुंचकर दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में घायल हुए लोगों एवं उनके परिवार के लोगों से भेंट कर उनका कुशल-क्षेम जाना व चिकित्सकों से घायलों के उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि सभी घायलों का समुचित उपचार कुशल चिकित्सकों के नेतृत्व में शीर्ष प्राथमिकता पर किया जा रहा है।

इस हृदय विदारक दुर्घटना में अपनों को खोने वाले परिवारों का दुःख शब्दों में व्यक्त नहीं हो सकता। प्रदेश सरकार सभी पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

ममता को हटाकर अरूप रॉय बने टीएमसी के नए चेयरमैन, अभिषेक भी महासचिव पद से बाहर

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल में विधानसभा चुनाव में तृणमूल की हार के बाद पार्टी में जारी बगावत सोमवार को नए मोड़ पर पहुंच गई। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट ने दावा किया कि उसने पार्टी की नई राष्ट्रीय कार्यसमिति गठित कर दी है।

इस नई समिति में हावड़ा मध्य के विधायक अरूप राय को चेयरमैन बनाया गया है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इस पद से हटा दिया गया है। वहीं, अभिषेक बनर्जी को भी राष्ट्रीय महासचिव पद से हटाकर नई नियुक्तियों की घोषणा की गई।

बागी तृणमूल गुट ने नई राष्ट्रीय कार्यसमिति बनाई- बजट सत्र समाप्त होने के बाद न्यू टाउन के एक होटल में बागी विधायकों की बैठक हुई। गुट का दावा है कि इसमें 60 विधायक और कोलकाता के लगभग 70 पूर्व पार्षद शामिल हुए। बैठक में 30 सदस्यीय नई राष्ट्रीय कार्यसमिति के गठन की घोषणा की गई।

बागी नेताओं ने तृणमूल के संविधान की धारा-20 का हवाला देते हुए कहा कि हर तीन वर्ष में राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक होना अनिवार्य है, लेकिन 2022 के बाद ऐसी कोई बैठक नहीं हुई। इसी आधार पर पुरानी कार्यसमिति को भंग कर नई समिति गठित करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

बागी गुट का दावा- असल तृणमूल वही हैं - नई समिति में पूर्व मंत्री अरूप विश्वास, विधायक फिरहाद हकीम और रथीन घोष को उपाध्यक्ष बनाया गया है। महासचिव के रूप में ऋतब्रत बनर्जी के साथ जावेद खान, संदीपन साहा और सबीना यासमिन को जिम्मेदारी दी गई है।

बीट स्तर की पुलिसिंग को मजबूत बनाने पर जोर, पुलिस कमिश्नर ने लसूडिया के बीट प्रभारियों की ली विशेष बैठक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा आमजन को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह ने सोमवार को थाना लसूडिया क्षेत्र के बीट प्रभारियों की विशेष समीक्षा बैठक ली। बैठक में बीट स्तर की पुलिसिंग को अधिक जवाबदेह, सक्रिय और जनोन्मुखी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

पुलिस आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) मयंक अवस्थी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमरेन्द्र सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त अपूर्वा किलेदार, एसीपी विजय नगर पराग सैनी, थाना प्रभारी लसूडिया राजकुमार यादव सहित क्षेत्र के सभी बीट प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान थाना लसूडिया क्षेत्र में पिछले तीन वर्षों के अपराधों की तुलनात्मक समीक्षा की गई। अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था, जनसंतुष्टि और पुलिस की कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि बीट प्रभारी पुलिस और जनता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनकी सक्रियता और क्षेत्र में नियमित उपस्थिति से अपराधों पर नियंत्रण के साथ-साथ नागरिकों में सुरक्षा और विश्वास की भावना भी मजबूत होती है।

उन्होंने बीट प्रभारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर माइक्रो बीट पुलिसिंग को प्रभावी बनाया जाए और प्रत्येक गतिविधि पर सतत निगरानी रखी जाए। थानों में आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना जाए तथा शिकायतों पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अपराध पंजीयन में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में आदतन और सूचीबद्ध अपराधियों पर निगरानी बढ़ाने, उनके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने तथा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए थाना स्तर पर साइबर डेस्क को और अधिक सक्रिय करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने पर भी विशेष बल दिया गया।

पुलिस कमिश्नर ने सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत बनाने के लिए मोहल्ला समिति बैठकों के नियमित आयोजन, नागरिकों से सतत संवाद बनाए रखने और टाउनशिप व कॉलोनियों में रहवासी समितियों के साथ बैठकें आयोजित कर सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड और स्वयंसेवी सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि बाउंड ओवर अथवा सूचीबद्ध अपराधियों द्वारा अपराध किए जाने, शिकायत दर्ज करने में अनावश्यक देरी अथवा फरियादियों के साथ दुर्व्यवहार की स्थिति में संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के अंत में पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस का लक्ष्य केवल घटनाओं पर प्रतिक्रिया देना नहीं, बल्कि अपराधों को पहले ही रोकना होना चाहिए। उन्होंने रिएक्टिव नहीं, प्रिवेंटिव पुलिसिंग को प्राथमिकता बताते हुए आमजन की सुरक्षा, सुविधा और विश्वास को सर्वोच्च महत्व देने का संदेश दिया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भाजपा करेगी श्रद्धांजलि कार्यक्रम, बूथ स्तर तक होंगे आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रथम अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मंगलवार 23 जून को भारतीय जनता पार्टी इंदौर नगर द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। भाजपा नेताओं ने बताया कि विजय नगर स्थित डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर सुबह 8-30 बजे माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इसके साथ ही नगर के सभी बूथों पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पीपले एवं हरप्रीत सिंह बक्शी ने बताया कि डॉ. मुखर्जी ने देश की अखंडता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनकी 125वीं जयंती वर्ष के अवसर पर पार्टी द्वारा 23 जून से 6 जुलाई तक संस्मरण पक्ष के रूप में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नेताओं ने बताया कि बलिदान दिवस पर सभी बूथों पर डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण किया जाएगा तथा कार्यकर्ताओं द्वारा उनके जीवन, विचारों और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर संक्षिप्त उद्बोधन दिए जाएंगे। विजय नगर चौराहे पर स्थापित प्रतिमा पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता सामूहिक रूप से श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। भाजपा द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग महाअभियान के अंतर्गत तीसरे चरण में बूथ समिति सदस्यों और प्राथमिक कार्यकर्ताओं के लिए डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 23 जून से 6 जुलाई तक आयोजित होगा। कार्यकर्ता अपने मोबाइल फोन के माध्यम से सरल और संगठन ऐप पर जाकर डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म से जुड़ सकेंगे। प्रशिक्षण में चार विषयों पर विशेषज्ञ वक्ताओं के वीडियो व्याख्यान उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की ऑनलाइन परीक्षा और प्रश्नोत्तरी भी होगी। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण देने से संगठन के कार्यकर्ताओं की दक्षता और तकनीकी समझ में वृद्धि होगी।

एयरपोर्ट को साढ़े 3 माह बाद भी उड़ान का इंतजार, लोकार्पण के बाद टर्मिनल-1 पर पसरा सन्नाटा, ढाई हजार यात्री घटे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर यात्रियों का दबाव कम करने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया टर्मिनल-1 अब भी शुरू होने का इंतजार कर रहा है। करीब 50 करोड़ रुपए की लागत से पुराने टर्मिनल का नवीनीकरण कर इसे आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया था।

29 मार्च को केंद्रीय उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इसका लोकार्पण कर चुके हैं, लेकिन साढ़े तीन माह बाद भी यहां से एक भी उड़ान शुरू नहीं हो सकी है। सुरक्षा बल की कमी संचालन शुरू करने में सबसे बड़ी अड़चन है।

एयरपोर्ट प्रबंधन की योजना थी कि टर्मिनल-1 से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और छोटे एटीआर विमानों का संचालन किया जाएगा। इससे मौजूदा टर्मिनल पर बढ़ते दबाव को कम किया जा सकेगा, लेकिन उद्घाटन के बाद भी यह योजना जमीन पर नहीं उतर पा रही है। टर्मिनल पूरी तरह तैयार है, सुविधाएं भी मौजूद हैं, लेकिन संचालन शुरू नहीं होने से यह उपयोग के बजाय धूल खा रहा है।

छोटे विमानों का संचालन बंद होने से घटे यात्री- एयरपोर्ट पर बीते कुछ माह में 18 के करीब छोटे विमानों का संचालन बंद हुआ है। इसकी वजह से ढाई हजार के करीब यात्री संख्या भी कम हो गई है। विमानों और यात्रियों की संख्या कम होने के कारण भी टर्मिनल-1 से उड़ानों का संचालन रुक रहा है।

एयरपोर्ट के पीआरओ रामस्वरूप यादव का कहना है कि संचालन को लेकर सभी अनुमतियां प्राप्त हो चुकी हैं, सुरक्षाबल मिलने के बाद टर्मिनल-1 से उड़ानों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन और जनसेवाओं पर विशेष फोकस रखने के लिए कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज यहां समय-सीमा पत्रों (टीएल) की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति, लंबित प्रकरणों और शासन की प्राथमिकताओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रिंकेश वैश्य तथा अपर आयुक्त नगर निगम श्री आकाश सिंह, श्री प्रखर सिंह तथा श्री एन.एन. पांडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार शासन की प्राथमिकताओं को केंद्र में रखकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीएम हेल्पलाइन में जिले की रैंकिंग लगातार सुधर रही है और सभी विभागों द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए। लापरवाही बरतने वाले चार अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं तथा भविष्य में भी उदासीनता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आज जिन अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं उनमें उपसंचालक कृषि, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री, सामाजिक न्याय विभाग के संयुक्त संचालक और सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग शामिल है। बैठक में श्री शिवम वर्मा ने जिले में फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को भवनों के निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई की गति तेज करने के निर्देश दिए हैं।

जेपीएस स्कूल सुंदर नगर में क्षेत्र की पहली रोबोटिक लैब का शुभारंभ, विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए नवाचार मॉडल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जेपीएस स्कूल, सुंदर नगर में क्षेत्र की प्रथम रोबोटिक लैब का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर रामकृष्ण आश्रम के प्राचार्य वीरेंद्र सिंह जादोन, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता तथा एमआईसी सदस्य निरंजन सिंह चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने रोबोटिक लैब का उद्घाटन कर विद्यार्थियों के वैज्ञानिक एवं तकनीकी कौशल की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रोबोटिक साइंस से जुड़े विभिन्न मॉडल एवं प्रोजेक्ट्स का प्रस्तुतीकरण किया। छात्रों ने आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के उपयोग को व्यावहारिक रूप में प्रदर्शित करते हुए उपस्थितजनों को विज्ञान के नवीन आयामों से परिचित कराया। विद्यार्थियों की रचनात्मकता और तकनीकी समझ ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

इस अवसर पर विद्यालय की पूर्व छात्रा दीपांजलि यादव का भी सम्मान किया गया। दीपांजलि का चयन एमपीपीएससी के माध्यम से असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर हुआ है। उन्होंने अपने माता-पिता का स्वागत एवं सम्मान कर विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। उनकी उपलब्धि को विद्यालय और क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण बताया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा रोबोटिक साइंस की उपयोगिता और संभावनाओं को करीब से समझा। अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार की अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनजीत कौर ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रीति दुबे ने किया, जबकि अभिषेक केलवा ने रोबोटिक साइंस और लैब की विशेषताओं की विस्तृत जानकारी दी। विद्यालय प्रबंधन ने इस पहल को शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए विद्यार्थियों को नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रेरित करने का संकल्प दोहराया।

दोपहिया वाहन चोरी कर पार्ट्स बेचने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, दो बाइक और कटे हुए चेचिस बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना परदेशीपुरा पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी चोरी किए गए दोपहिया वाहनों को अपने गैराज में ले जाकर उनके पार्ट्स अलग-अलग कर बेच देता था तथा पहचान छिपाने के लिए नंबर प्लेट भी बदल देता था।

पुलिस के अनुसार 16 जून 2026 को नरेंद्र लकवाल निवासी कुलकर्णी का भट्टा, इंदौर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल तुलसी कॉम्प्लेक्स के सामने से चोरी हो गई है। शिकायत के आधार पर थाना परदेशीपुरा में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, पुलिस उपायुक्त जोन-2 तथा एसीपी परदेशीपुरा हिमानी मिश्रा के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसके आधार पर संदिग्ध की पहचान गणेश नगर निवासी मुकेश कुल्हार के रूप में हुई।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया। जांच में सामने आया कि आरोपी चोरी किए गए वाहनों को भानगढ़ स्थित अपने गैराज में ले जाकर काट देता था और उनके पार्ट्स बेच देता था। वाहन की पहचान छिपाने के लिए वह नंबर प्लेट भी बदल देता था।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल, एक एक्टिवा तथा तीन कटे हुए चेचिस बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में बरामद चेचिस हीरानगर क्षेत्र से चोरी किए गए वाहनों के होना पाए गए हैं। पुलिस आरोपी से अन्य वाहन चोरी की वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी परदेशीपुरा आर.डी. कानवा सहित पुलिस टीम के प्रआर. राजकुमार, आरक्षक जयवेन्द्र गुर्जर, पंकज पाटिल, सत्यवीर और बलराम सिकरवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मानसून पूर्व तैयारियों में जुटा एमपीआईडीसी

औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव रोकने एवं वृक्षारोपण हेतु विशेष अभियान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानसून के मद्देनजर मध्यप्रदेश इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा सभी औद्योगिक क्षेत्रों जैसे कि पीथमपुर सेक्टर-1 से 6, एस.ई. जेड़, स्मार्ट इण्डस्ट्रीयल पार्क, मेघनगर, निमरानी, जेतापुर, हातोद आदि में व्यापक स्तर पर पूर्व तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या से बचाव एवं सुचारु जल निकासी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में स्टॉर्म वॉटर ड्रेनों की सफाई हेतु विशेष टीमें तैनात की गई हैं। इस कार्य के लिए लगभग रूपये 70 लाख का बजट आवंटित किया गया है। साथ ही एमपीआईडीसी रिक्त भूमि का चयन कर रहा है, जो कि वर्षा ऋतु में उद्योगों को वृक्षारोपण हेतु अस्थाई रूप से प्रदान की जायेगी।

एमपीआईडीसी द्वारा मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को भी पत्र जारी कर मानसून पूर्व विद्युत लाइनों एवं संबंधित अधोसंरचना का आवश्यक रखरखाव सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है, ताकि औद्योगिक क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनी रहे तथा विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

ड्रेनों में कचरा फेंककर जल निकासी बाधित करने के मामलों में सख्ती बरतते हुए एमपीआईडीसी ने तीन उद्योग संचालकों को नोटिस जारी किए हैं। निगम द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इस प्रकार की गतिविधियां जलभराव एवं पर्यावरणीय समस्याओं का कारण बनती हैं तथा इनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक श्री हिमांशु प्रजापति ने सभी उद्योगों से अपील की है कि ड्रेनों की सफाई के उपरांत उनमें किसी भी प्रकार का कचरा या अपशिष्ट न डालें तथा जल प्रवाह में आने वाली बाधाओं को स्वयं भी हटाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए उद्योगों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है तथा सभी के सामूहिक प्रयासों से मानसून के दौरान बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकेगी।

नगर निगम ने तीन आश्रितों को सौंपे अनुकंपा नियुक्ति आदेश, 60 से अधिक प्रकरणों का हो चुका निराकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम मुख्यालय स्थित सामान्य प्रशासन विभाग में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में सामान्य प्रशासन प्रभारी श्री नंदकिशोर पहाड़िया ने तीन पात्र आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के आदेश पत्र प्रदान किए। निगम प्रशासन द्वारा अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों का त्वरित निराकरण करते हुए पात्र परिवारों को समयबद्ध राहत प्रदान की जा रही है।

इस अवसर पर श्री सुमीत चौहान, पिता स्वर्गीय सुरेश चौहान तथा सुश्री हिमांशी सारदिया, पिता स्वर्गीय राजेश सारदिया को राजस्व विभाग में सहायक ग्रेड-3 पद पर नियुक्ति के आदेश सौंपे गए। वहीं सुश्री अंजू हरीवंशी को स्वास्थ्य विभाग में उप स्वच्छता पर्यवेक्षक पद के लिए अनुकंपा नियुक्ति आदेश प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अपर आयुक्त श्री मनोज पाठक सहित निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नियुक्ति आदेश प्राप्त करने वाले परिवारजनों ने नगर निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे कठिन समय में मिली महत्वपूर्ण सहायता बताया।

सामान्य प्रशासन प्रभारी श्री नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि नगर निगम परिषद के वर्तमान कार्यकाल में अब तक 60 से अधिक अनुकंपा नियुक्ति आदेश जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सेवा अवधि के दौरान आकस्मिक मृत्यु होने पर शासन के निर्देशों के अनुरूप पात्र आश्रितों के प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि निगम प्रशासन का प्रयास है कि सभी पात्र परिवारों को आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद शीघ्र अनुकंपा नियुक्ति का लाभ मिले, जिससे प्रभावित परिवारों को आर्थिक एवं सामाजिक संबल प्राप्त हो सके।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा, महापौर ने लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण कर हितग्राहियों को पजेशन देने के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सोमवार को महापौर सभाकक्ष में प्रधानमंत्री आवास योजना एवं जनकार्य विभाग के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में निर्माणाधीन आवास परियोजनाओं की प्रगति, लंबित कार्यों, आवास आवंटन और भविष्य की आवासीय योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध तरीके से आवासों का पजेशन उपलब्ध कराया जाए।

बैठक में अपर आयुक्त अर्थ जैन, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री पी.एस. कुशवाह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत, निर्माणाधीन और पूर्ण परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्मित एवं आवंटित फ्लैटों, लंबित कार्यों, रजिस्ट्री की स्थिति, रिक्त आवासों और प्रतीक्षा सूची की जानकारी प्राप्त की।

समीक्षा के दौरान सतपुड़ा परिसर और अन्य निर्माणाधीन आवासीय परियोजनाओं की प्रगति पर विशेष चर्चा हुई। महापौर ने सतपुड़ा परिसर में अधूरे निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने तथा पात्र हितग्राहियों को शीघ्र पजेशन देने के निर्देश दिए। साथ ही अरावली परिसर में निर्मित एक बीएचके आवासों के शेष कार्यों को भी तेजी से पूरा करने को कहा। महापौर ने प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत सनावदिया एक्सटेंशन, बढ़ियाकीमा, सिन्दौड़ा, रंगवासा और उमरीखेड़ी क्षेत्रों में प्रस्तावित आवासीय परियोजनाओं के लिए भूमि उपलब्धता और विकास कार्यों की जानकारी ली।

एमवाय अस्पताल की ओपीडी में पांच महीने से बंद है डिजिटल एक्स-रे मशीन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एमवाय अस्पताल की नई ओपीडी बिल्डिंग में लगी डिजिटल एक्स-रे मशीन पिछले करीब पांच महीने से बंद पड़ी है। मशीन के बंद होने से रोजाना सैकड़ों मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नई ओपीडी में आने वाले मरीजों को अब एक्स-रे जांच के लिए एमवाय अस्पताल की बिल्डिंग तक जाना पड़ रहा है। इससे विशेष रूप से बुजुर्ग, दिव्यांग और गंभीर मरीजों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नई ओपीडी भवन के कक्ष क्रमांक-5 में वर्ष 2012 में डिजिटल एक्स-रे मशीन स्थापित की गई थी। लंबे समय तक उपयोग के बाद यह मशीन अब कंडम घोषित हो चुकी है। इसके बाद से इसका संचालन पूरी तरह बंद कर दिया गया है। रेडियोलाजी विभाग ने नई मशीन की मांग शासन स्तर पर भेज दी है, लेकिन अब तक नई मशीन की उपलब्धता को लेकर कोई स्पष्ट समय-सीमा तय नहीं हुई है। 200 मीटर दूर जाना पड़ रहा मरीजों को- नई ओपीडी में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज एक्स-रे जांच के लिए पहुंचते हैं, लेकिन अब इन मरीजों को करीब 200 मीटर दूर जांच के लिए एमवाय अस्पताल जाना पड़ रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयुक्त ने किया तालाब गहरीकरण और रेनवाटर हार्वेस्टिंग कार्यों का निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर निगम इंदौर द्वारा जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तालाब गहरीकरण, पाल सुदृढ़ीकरण और रेनवाटर हार्वेस्टिंग से जुड़े कार्यों की प्रगति का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त झोन क्रमांक 13 के वार्ड क्रमांक 75 स्थित नायता मुंडला तालाब पहुंचे, जहां जनभागीदारी से किए जा रहे तालाब गहरीकरण एवं पाल मजबूतीकरण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण किए जाएं, ताकि तालाब की जल संग्रहण क्षमता बढ़ सके और वर्षा जल का प्रभावी संरक्षण सुनिश्चित हो सके।

आयुक्त श्री सिंघल ने कहा कि जल संरक्षण की दिशा में तालाबों का पुनर्जीवन और उनकी क्षमता वृद्धि अत्यंत आवश्यक है। जनसहभागिता से किए जा रहे ऐसे प्रयास भविष्य में जल संकट की चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और भूजल स्तर को बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होंगे।

इसके बाद उन्होंने झोन क्रमांक 4 के वार्ड क्रमांक 13 स्थित अनाज मंडी वेयरहाउस परिसर का निरीक्षण किया। यहां प्रस्तावित रेनवाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं, रिचार्ज शाफ्ट और स्टोरेज टैंक निर्माण कार्यों की रूपरेखा का अवलोकन किया गया। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षा जल के अधिकतम संग्रहण और भूजल पुनर्भरण को ध्यान में रखते हुए सभी संरचनाओं का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाए।

उन्होंने कहा कि बड़े संस्थानों, औद्योगिक परिसरों और सार्वजनिक भवनों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था विकसित कर भूजल स्तर बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के उद्देश्यों को सफल बनाने के लिए नागरिकों की सहभागिता और जनजागरूकता को भी आवश्यक बताया।

आरोप : मंदसौर में दूध का धंधा करने वाले कुछ व्यापारी कर रहे हैं गड़बड़झाला-रमेशचन्द्र चन्द्रे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षाविद् और सामाजिक चिंतक रमेशचन्द्र चन्द्रे ने अपने तय आरोप लगाते हुए कहा है कि दूध दैनिक जीवन के लिए एक अनिवार्य तत्व है जो छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बूढ़ों तक का एक पोषक आहार माना जाता है किंतु मंदसौर में दूध का धंधा करने वाले अधिकांश छोटे- बड़े व्यापारी इस धंधे में जमकर गड़बड़ कर रहे हैं। दूध में ना तो दूध की गंध है और ना ही स्वाद। दूध पतला है परन्तु फ्रिज में रखने पर मलाई गाढी आती है किंतु उसका घी बनाने पर घी का कोई स्वाद नहीं मिलता। प्रशासन की ओर से दूध की चेकिंग के मामले में कोई सक्रियता नहीं दिखाई जा रही। घर-घर दूध की बंदी बांटने वाला व्यक्ति दूध डेयरी से किसी भी ब्रांड की थैली खरीद लेता है और लोगों के सामने ही अनेक चौराहे पर किसी ना किसी हैंड पंप से पानी लेकर अपनी दूध की टंकी में डालकर घर-घर देने निकल जाता है। मंदसौर में सामान्यतः रू.70 किलो रू.60 किलो रू.50 किलो और रू.40 किलो तक दूध बेचा जा रहा है, इसकी क्या मापदंड है यह जनता तो समझती है किंतु सरकार को समझना जरूरी है।

शिक्षाविद् श्री चन्द्रे ने आरोप लगाते हुए कहा है कि जो दुकानदार अपनी दुकानों पर दूध रखकर बेचते हैं उस दूध में तो शुद्धता की गारंटी मिल सकती है किंतु उन्ही दुकानदारों में से कुछ दुकानदार अपने कर्मचारियों के माध्यम से जो दूध मंदसौर की कॉलोनियों में वितरित करता है उस दूध में जरूर जरूर गड़बड़ झाला नजर आता है। इसकी जांच होनी चाहिए। गर्मियों में दूध को खराब होने से बचाने के लिए अधिकांश दूध वाले उसमें पानी और यूरिया, सिंथेटिक तेल जैसी चीज मिलाते हैं तथा उसको फ्रिज में रखकर एक से अधिक दिनों तक दूध का वितरण करते हैं। उस बासी दूध मे थोड़ा सा डिटर्जेंट मिलाकर दूध को फेंटते हैं जिसके कारण उसमें हल्का जाग आ जाता है जिससे दूध ताजा नजर आता है किंतु दरअसल वह दूध बासी रहता है। दूध में यूरिया मिलाने से दुग्ध मापक यंत्र अर्थात लैक्टोमीटर मशीनों में उसका सही फैट पकड़ में नहीं आता तथा अपराधी बचकर निकल जाते हैं।

शिक्षाविद् श्री चन्द्रे ने आरोप लगाते हुए कहा है कि दूध में मिलावट की एवं रासायनिक दूध बनाने की शिकायत, जनता के माध्यम से एक दूसरे को की जा रही है तथा दूध के धंधे से जुड़े हुए लोग भी इस प्रकार की चर्चाएं बाजार में करते नजर आते हैं। कहीं तो यह भी जानकारी मिली है कि दूध का व्यवसाय करने वाले लोगों ने आसपास के गांव में ही दूध डेरिया बना रखी है जहां बड़े-बड़े फ्रीजर है और वहीं रासायनिक दूध बनाने की क्रिया चलाई जा रही है। इस प्रकार की चर्चाएं संपूर्ण बाजार में गर्भ रहती है तथा अनेक बार समाचार प्रकाशित होता है किंतु संबंधित अधिकारियों को सबूत के साथ कोई शिकायत नहीं कर पाता, क्योंकि ऐसी बातों के सबूत नहीं मिलते। इसलिए कलेक्टर महोदय से निवेदन है कि अपनी शासकीय एजेंसियों के माध्यम से गांव में और शहरों में चलने वाली दूध डेरियों पर आकस्मिक छापामारी कर इस समस्या से मंदसौर की जनता को मुक्त करना चाहिए अन्यथा जितने लोग दारु पीने से नहीं मर ते उससे अधिक लोग लोग दूध पीने चक्कर में अपने प्राण गवा देंगे।

शिक्षाविद् श्री चन्द्रे ने आरोप लगाते हुए कहा है कि दूध बांटने वाले यह भी कहते हैं कि मंदसौर नगर के शासकीय अधिकारियों और रसूखदारों के यहां और जो लोग शिकायत कर सकते हैं उनके उनके वहां पर विशेष कर के शुद्ध एवं ओरिजिनल दूध बांटा जाता है किंतु आम जनता के साथ दूध वाले जो खिलवाड़ कर रहे हैं उसकी सघन जांच आवश्यक है। लगभग दो दशक से भी अधिक समय हो गया खाद्य विभाग वाले इन दूध विक्रेताओं का दूध, गली मोहल्लों में सुबह जल्दी पहुंच कर मशीन से चेक करते थे। उस समय गली मोहल्लों के दूध विक्रेता एक दूसरे से सूचना मिलने पर छिपते फिरते थे,किंतु अब ये अधिकारी क्यों चेक नहीं कर रहे हैं या फिर बड़े पैमाने पर दलाल नियुक्त कर सांठगांठ है? यह कौन जाने? अब तो कलेक्टर ही यदि इस दिशा में रुचि दिखाऐ तो वह कुछ संभव है।

राजस्व महा अभियानः ग्राम धनेरियाकला में हल्कावार शिविर आयोजित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार 22 जून से 22 जुलाई 2026 तक चल रहे विशेष राजस्व महा अभियान के तहत सोमवार को ग्राम धनेरियाकला में हल्कावार शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में राजस्व विभाग द्वारा कुल 18 किसानों की फार्मर आईडी बनवाई गई। शिविर में खाद अनुपलब्धता, शासकीय रास्ते पर अतिक्रमण, रास्ता चोड़ीकरण, पेंशन, राशन समस्या सहित 13 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में अधिकांश प्रकरणों का मौके पर सहमति,त्नऋ,श्चयङ्घ्ष्ट के माध्यम से निराकरण किया गया। भूमि अतिक्रमण के प्रकरण दर्ज कर, अग्रिम कार्यवाही हेतु चिन्हित किए गएहै। बंदोबस्त व नक्शा दुरुस्ती के प्रकरणों में सर्वे कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। शिविर में तहसीलदार श्री संजय मालवीय, थाना प्रभारी बघाना श्री राधेश्याम दांगी, पटवारी श्री नरेन्द्र पाटीदार, सरपंच श्री राजेश राठौर, सचिव श्री प्रेमसिंह चुण्डावत, त्नऋ श्री गजेन्द्रसिंह राजपूत व सहकारी सहायक श्रीअनिल कुमार शिविर में उपस्थित थे। अभियान से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर त्वरित समाधान उपलब्ध हुआ। यह जानकारी तहसीलदार नीमच श्री संजय मालवीय ने दी है।

समय सीमा में कार्य पूर्ण नहीं होने पर संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध पेनल्टी की कार्रवाई की जाएगी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा, वर्षा पूर्व तैयारियों तथा यातायात व्यवस्था से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के अंडरपासों में वर्षा के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या का प्राथमिकता के आधार पर स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। सेमली काकड़ औद्योगिक क्षेत्र में सड़क कनेक्टिविटी पॉइंट को तत्काल सुगम बनाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने संबंधित निर्माण एजेंसियों को सड़क मरम्मत, गड्ढों को भरने तथा सड़क के शोल्डर निर्माण का कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण नहीं होने पर संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध नियमानुसार पेनल्टी की कार्रवाई की जाएगी। बैठक में वर्षा पूर्व तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को जलमग्न क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने तथा आमजन को जलभराव वाले स्थानों से होकर आवागमन नहीं करने के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री राहत योजना तथा राहवीर योजना की भी समीक्षा की गई।

गांधीसागर जलाशय के तटवर्ती ग्रामों में वर्षाकाल में बाढ़ सुरक्षा संबंधी निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री ने गांधी सागर जलाशय के तटवर्ती ग्रामों में बाढ़ सुरक्षा के उपयों पर अमल करने के निर्देश विभागीय अमले को दिए है। उन्होने निर्देश दिए है कि, गांधी सागर जलाशय का जलस्तर 1300 फीट तक पहुँचने पर मौसम विभाग से वर्षा, तूफान आदि की चेतावनी प्राप्त होने पर टेलीफोन, विशेष वाहक अथवा अन्य शीघ्रगामी साधनों से कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करें।

गांधी सागर जलाशय के जलस्तर 1312 के अन्तर्गत डूब क्षेत्र में कृषि करने वालों को एवं अन्य तटवर्ती ग्रामों के व्यक्तियों को तत्काल डूब क्षेत्र से हट जाने हेतु सूचित करने गांधी सागर जलाशय के जलस्तर 1312 से 1316 तथा 1316 से 1320 फीट के तटवर्ती 27 ग्रामों के निवासियों को वर्षाकाल में सावधान रहने के लिए आम सूचना द्वारा सूचित करने तथा जलस्तर 1310 पहुंचने पर राजस्व अधिकारियों के सहयोग से इन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है। तटवर्ती ग्रामों में बाढ़ की संभावना से कलेक्टर मन्दसौर-नीमच को सूचित कर, बाढ़ से बचाव संबंधी कार्यों में सहयोग प्रदान करने के लिए अधीनस्थ कर्मचारियों को एवं आबियाना कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। सभी अबियाना कर्मचारियों को वर्षाकाल में कार्यस्थल पर ही उपस्थित रहने हेतु निर्देश दिए गए है।

कार्यालयों के लिए स्टेशनरी की दरें निर्धारण के लिए निविदाएं आमंत्रित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले के शासकीय कार्यालयों के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये स्टेशनरी एवं अन्य लेखन सामग्री स्थानीय स्तर से क्रय हेतु दरें निर्धारण के लिये निविदा आमंत्रित की गई है। निविदाएं सीलबंद लिफाफे में 10 जुलाई 2026 को अपरान्ह एक बजे तक कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 26 में स्टेशनरी शाखा में जमा करा सकते है, अथवा डाक से भी प्रेषित कर सकते है। डाक एवं अन्य माध्यमों से दोपहर एक बजे के पश्चात प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। शुल्क, शर्तो की विस्तृत जानकारी जिले की बेवसाइट dmneemuch@mp.nic.in से जानकारी प्राप्त की जा सकते हैं।

अवैध पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार, हथियार सप्लायर की तलाश में जुटी पुलिस

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में हथियार बेचने वाले दूसरे आरोपी की भी तलाश की जा रही है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 जून को नाहरगढ़ थाने में पदस्थ उपनिरीक्षक कन्हैयालाल यादव को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कोलवा मगरा गोशाला के समीप आम रोड पर एक व्यक्ति अवैध पिस्टल लेकर किसी को बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने पंचों को साथ लेकर मौके पर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर संदिग्ध युवक तेजी से वहां से निकलने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम मेहफुज मंसुरी (28) निवासी इंदिरा नगर, मंदसौर बताया। तलाशी के दौरान उसकी कमर में खोंसी हुई एक लोहे की पिस्टल बरामद हुई। पिस्टल में एक मैगजीन लगी हुई थी, जिसमें एक जिंदा कारतूस मौजूद था। बरामद हथियार की अनुमानित कीमत करीब 20 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस द्वारा लाइसेंस संबंधी दस्तावेज मांगे जाने पर आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने पिस्टल और जिंदा कारतूस को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने उक्त पिस्टल चार दिन पूर्व मनय जैन निवासी संजीत नाका, लालाघाटी रोड, मंदसौर से खरीदी थी। आरोपी के इस खुलासे के बाद पुलिस ने हथियार उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति के खिलाफ भी मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने आरोपी मेहफुज मंसुरी के विरुद्ध धारा 25 एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद पिस्टल कहां से लाई गई थी तथा इसका उपयोग किसी आपराधिक गतिविधि में तो नहीं किया गया। मामले की विवेचना जारी है।

नशा मुक्त भारत सप्ताह के अंतर्गत बाल चौपाल आयोजित

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान विकसित भारत की पहचान थीम अंतर्गत 17 जून से 26 जून तक आयोजित नशा मुक्त भारत सप्ताह के क्रम में आज पं. डॉ. शिव शक्तिलाल शर्मा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज आयुष ग्राम सेजावता बायपास बंजली रतलाम में बाल चौपाल एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जनजागरूकता उत्पन्न करना तथा समाज को नशामुक्त बनाने हेतु जनभागीदारी सुनिश्चित करना रहा है। इस अवसर पर बच्चों, किशोरों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं समाज के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ नशे के दुष्प्रभावों पर संवाद, जीवन कौशल एवं निर्णय क्षमता विकास संबंधी गतिविधियां, योग एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं।

कार्यक्रम में ग्राम बंजली, पलसोड़ा, नंदलाई तथा सेवा भारती सारथी विद्यालय, रतलाम से आए बच्चों एवं किशोर-किशोरियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विषय विशेषज्ञों द्वारा बच्चों में नशे की प्रारंभिक पहचान, उसके दुष्प्रभाव तथा परिवार आधारित रोकथाम उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

सांस्कृतिक सत्र में कला पथक दल के श्री ओमप्रकाश आर्य एवं श्री नन्नूसिंह द्वारा नशामुक्ति विषयक प्रेरक गीतों की प्रस्तुति दी गई। वहीं मात्र 5 वर्षीय योग प्रतिभा प्रिंसेस वैष्णवी ने योग एवं संगीत की मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी को प्रभावित किया।

कांग्रेस ने कई मुद्दों पर कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर किया प्रदर्शन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस ने सोमवार को लोकतंत्र एवं संविधान बचाओ रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर धरना प्रदर्शन किया। रैली में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, किसानों एवं आम नागरिकों ने भाग लिया। रैली के माध्यम से संविधान की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण तथा किसानों और आमजन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस नेताओं ने पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के निर्णय का कड़ा विरोध करते हुए इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताया।

जिला कांग्रेस प्रभारी सदाशिव यादव ने कहा कि विपक्ष की आवाज को दबाने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करने के प्रयास लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ऐसे अलोकतांत्रिक कदमों का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जारी रखेगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान, लोकतंत्र और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव संघर्षरत रही है और आगे भी रहेगी। उन्होंने किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए खाद की उपलब्धता, डीजल की बढ़ती कीमतों, फसलों के उचित समर्थन मूल्य, बढ़ती कृषि लागत तथा बढ़े हुए बिजली बिलों, स्मार्ट मीटर के मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। विधायक विपिन जैन ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का कार्य कर रही है। उन्होंने मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने को लोकतंत्र का अपमान बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। बाद में एसडीएम शिवलाल शाक्य को दो ज्ञापन सौंपे गए। ज्ञापन का वाचन प्रदेश सचिव सोमिल नाहटा एवं कांग्रेस नेता राकेश पाटीदार ने किया। एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम राज्यसभा की कांग्रेस उम्मीदवार सुश्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र निरस्त करने के विरोध में दिया गया, जिसमें कहा गया कि सुश्री मीनाक्षी नटराजन के नामांकन निरस्ती करण प्रकरण की निष्पक्ष व स्वतंत्र जांच कराई जाए। चुनावी प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित की जाए। लोकतांत्रिक अधिकारो एवं संवैधानिक मुल्यों की रक्षा हेतु आवश्यक हस्तक्षेप किया जाए। दुसरे ज्ञापन में मांग की गई कि किसानो को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराया जाए। ई टोकन व्यवस्था को सरल व प्रभावी बनाया जाए। मंडी टैक्स को बढाकर डेढ प्रतिशत करने का निर्णय तत्काल वापस लिया जाए। मंडी की अव्यस्था को सुधारा जाए। स्मार्ट मीटर की योजना की समीक्षा कर मनमाने बिजली बिलो पर रोक लगाई जाए। पेट्रोल-डीजल की बढती कीमतों एवं महंगाई के नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाए। नीट पेपर लीक के प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषियो पर कठोर कार्यवाही की जाए।

जिला संगठन महासचिव अजय लोढ़ा ने संचालन किया। आभार शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इष्टा भाचावत ने माना। इस अवसर पर इस अवसर पर पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, पूर्व विधायक पुष्पा भारतीय, प्रकाश रातड़िया, परशुराम सिसोदिया, राजेश रघुवंशी, मंजीतसिंह टुटेजा, ब्लाक अध्यक्ष विकास दशोरा, विजेश मालेचा, विनोद शर्मा, किशोरसिंह पंवार , सत्यनारायण पाटीदार, जगदीश धनगर फौजी, महेश पाटीदार, सुरेश धाकड, मुकेश धाकड, हनुमंतसिंह, कांग्रेस नेता ओमसिंह भाटी, रविन्द्र रांका, अनिल शर्मा, तरुण खिंची, रुपल संचेती, रफत पयामी, दीपक गुर्जर, डॉ.अजीत जैन, राखी सत्रावाला, मुकेश निडर, सुरेन्द्र कुमावत, निर्विकार रातडिया, बालेश्वर पाटीदार, ब्रह्मानंद पाटीदार, राजेन्द्र सेठिया, कमलेश सोनी, बद्रीलाल धाकड, असगर मेव, जगदीपसिंह बंटी, कर्मवीर सिंह भाटी, भोपालसिंह सोलंकी, लियाकत मेव, कमलेश जैन आदि बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंडी में लहसुन चोरी कर नीलामी में बेचने का प्रयास, दो युवक रंगे हाथों पकड़े गए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया कृषि उपज मंडी में सोमवार को एक अनोखा चोरी का मामला सामने आया, जहां दो युवकों ने व्यापारी की लहसुन की बोरियों से माल निकालकर उसी मंडी परिसर में ढेर लगाकर नीलामी के माध्यम से बेचने का प्रयास किया। व्यापारियों की सतर्कता और सीसीटीवी कैमरों की मदद से दोनों युवक पकड़ लिए गए। बाद में उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया। जानकारी के अनुसार कृषि उपज मंडी में व्यापारी मनोज कसेरा की लहसुन की कई बोरियां नीलामी के लिए रखी हुई थीं। सोमवार सुबह जब वे अपनी उपज का निरीक्षण करने पहुंचे तो उन्हें लहसुन की कुछ बोरियां कम दिखाई दीं। बोरियों की संख्या में कमी देखकर उन्हें चोरी की आशंका हुई। इसके बाद उन्होंने मंडी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू किया।

सीसीटीवी फुटेज में दो युवक लहसुन की बोरियां उठाकर उन्हें खाली करते हुए तथा लहसुन को मंडी परिसर में अलग स्थान पर ढेर लगाते हुए दिखाई दिए। फुटेज देखने के बाद व्यापारी एवं अन्य व्यापारियों ने मामले की जानकारी मंडी कर्मचारियों को दी और संदिग्ध ढेर पर नजर बनाए रखी। बताया जाता है कि सुबह मंडी में नियमित नीलामी प्रक्रिया के दौरान उक्त लहसुन के ढेर की भी बोली लग गई। नीलामी पूरी होने के बाद जब दो युवक नीलामी पर्ची लेने के लिए मंडी कार्यालय पहुंचे तो व्यापारियों ने उन्हें पहचान लिया। इसके बाद दोनों युवकों को पकड़कर मंडी कार्यालय ले जाया गया, जहां उनसे पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों युवकों ने अपने नाम आशिक मुल्तानी एवं तोशिफ मुल्तानी, निवासी मुल्तानपुरा, बताए। व्यापारियों का आरोप है कि दोनों ने व्यापारी की बोरियों से लहसुन निकालकर उसे अपना बताकर नीलामी में बेचने का प्रयास किया था। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। पुलिस ने मंडी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी अपने कब्जे में ली है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

आगामी समय में पेयजल वितरण व्यवस्था बनाये रखने की जद्दोजहद, 15 मिनट की पेयजल वितरण में कटोत्री का निर्णय

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरपालिका जलकार्य समिति की बैठक नपा कार्यालय मंदसौर में नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आगामी समय में जलप्रदाय व्यवस्था को बनाये रखने एवं जल स्त्रोतों में उपलब्ध पानी की समीक्षा की गई। बैठक में कर्मचारीगणों ने बताया कि प्रतिदिन 18 एमलडी पानी प्रतिदिन चम्बल परियोजना से पाईप लाईन के द्वारा प्राप्त हो रहा है। नगर को प्रतिदिन 28 एमएलडी पानी की जरूरत वर्तमान व्यवस्था के अंतर्गत पड़ती है। शेष पानी नपा रामघाट व कालाभाटा से ले रही है। मोरवनी दोह जो कि नगर से 8 कि.मी. दूर शिवना नदी में स्थान है, वहां से 10 दिन की पेयजल वितरण हो सके, उतना पानी कालाभाटा बांध की ओर लाया गया था। नपा शिवना नदी में और भी पानी विद्युत मोटर आदि से खिंचकर रामघाट की ओर ला रही है। ताकि रामघाट में पानी का लेवल बनाया रखा जा सके। वर्तमान में कालाभाटा बांध में 1 इंच का पानी का लेवल बना हुआ है। चम्बल नदी से 18 एमएलडी पानी मिलने के बाद 10 एमएलडी पानी प्रतिदिन नपा को मिले, इसके लिये कर्मचारी लगातार काम कर रहे है।

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर व सभापति श्री जैन ने सदस्यों के साथ चर्चा की। चर्चा में जलकार्य समिति के सदस्यों ने अपने कई सुझावों से अवगत कराया। जलकार्य समिति ने निर्णय लिया कि 25 जून से नपा 15 मिनट के पेयजल वितरण की कटोत्री करेगी, ताकि मानसून में देरी के कारण जलस्त्रोतों में पानी की जो कम उपलब्धता है, उस स्थिति से निपटा जा सके। मानसून की खेच के कारण नपा के रामघाट, कालाभाटा बांध में पानी की उपलब्धता बहुत कम है। ऐसे समय में यदि 15 मिनट की कटोत्री से जो पानी बचेगा, उसका उपयोग आगामी पेयजल वितरण व्यवस्था में बेहतर रूप से हो सकेगा। नपा के लाईन मेन पेयजल वितरण के समय पूरे क्षेत्र में भ्रमण करेंगे तथा जहां भी पेयजल पाईप लाईन से डायरेक्ट मोटर लगी होने की शिकायत मिलेगी वहां मोटर जब्त करने की कार्यवाही की जायेगी। नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने कहा कि मानसून में देरी के कारण नपा के जलस्त्रोतों में पानी की उपलब्धता कम है, इसलिये नपा ने पेयजल वितरण में 15 मिनिट की कटौती की है। नागरिकगण व्यवस्था में सहयोग करे। पर्याप्त वर्षा होने व रामघाट, कालाभाटा बांध में पानी उपलब्धता होने पर नपा पूर्व की भांति जल वितरण करेगी। इसलिये नपा का प्रयास है कि नगर के नागरिकों को आवश्यकता अनुसार जल उपलब्ध हो। नपा कर्मचारीगण शिवना नदी में जहां भी पानी दिख रहा है वहां पानी खिंचकर रामघाट की ओर ला रहे है। बैठक में जलकार्य समिति सभापति निलेश जैन, समिति सदस्यगण सुनीता नंदलाल गुजरिया, सुनीता भावसार, माया भावसार, कमलेश सिसौदिया, गोवर्धन कुमावत, नपा कार्यपालन यंत्री पी.एस. धारवे, उपयंत्री शाहिद मिर्जा, जलकार्य लिपिक मो. शाहीद सहित नपा के लाईनमेन भी उपस्थित थे।

मुस्लिम महासभा द्वारा रक्तदान शिविर, सभी धर्मों के युवाओं ने किया 72 यूनिट रक्तदान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुहर्रम के अवसर पर शहीदान-ए-कर्बला और इमाम हुसैन की याद में मुस्लिम महासभा मंदसौर द्वारा जिला चिकित्सालय में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। लगातार नौवें वर्ष आयोजित इस शिविर में सामाजिक एकता और सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली, जहाँ शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए विभिन्न समुदायों के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मानव सेवा का संदेश दिया। दोपहर से लेकर देर शाम तक चले इस शिविर में कुल 72 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

मुस्लिम महासभा के पदाधिकारी साबिर हुसैन ने बताया कि पिछले दस वर्षों से यह अभियान निरंतर चलाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य अस्पताल में आने वाले उन जरूरतमंद मरीजों की सहायता करना है जिन्हें समय पर रक्त उपलब्ध नहीं हो पाता। इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाने वाले सभी रक्तदाताओं को संस्था की ओर से प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने इमाम हुसैन की शिक्षाओं को याद करते हुए कहा कि उनका संदेश किसी एक धर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि वह पूरी मानवता को इंसानियत, त्याग और जरूरतमंदों की सहायता की सीख देता है। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब ने भी मानव सेवा को सर्वोच्च बताया है और इसी भावना के साथ संस्था लगातार समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय है। मुस्लिम महासभा के जिला अध्यक्ष आमिर पठान ने मानवता के प्रति प्रत्येक व्यक्ति के दायित्व को रेखांकित करते हुए शिविर के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। संस्था ने इस सफल अभियान के लिए सिविल हॉस्पिटल और ब्लड बैंक स्टाफ का विशेष आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से बेहतरीन सुविधाएं और व्यवस्थाएं उपलब्ध हो सकीं। इस दौरान जिला अध्यक्ष आमिर पठान, पार्षद साबिर शाह, माजिद चौधरी, गजन काजी, अनीस खान, आसिफ अंसारी, बाबू बागवान, समीर पठान, इमरान शाह, आमिल चौधरी, वसीम खान, तमीम अंसारी, अकील मेव, आदिल निजामी, राजा पठान, शकील खान, साहिल शेख, सैयद जावेद अली, आरिफ शेख, शरीफ नियारगर सहित महासभा के अनेक पदाधिकारी और सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

भारत के पुनर्जागरण से विकास की नई पटकथा

किसी भी राष्ट्र का पुनर्जागरण केवल आर्थिक समृद्धि से नहीं होता, बल्कि उसकी सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय आत्मविश्वास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सुशासन और जनसहभागिता के समन्वय से होता है। भारत की विकास-यात्रा इसी सत्य की पुष्टि करती है। 1947 में भारत और पाकिस्तान दोनों ने स्वतंत्रता प्राप्त की, किंतु दोनों देशों ने अपने-अपने विकास के लिए भिन्न मार्ग चुने। पाकिस्तान जहाँ राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और वैचारिक द्वंद्व से जूझता रहा, वहीं भारत ने लोकतांत्रिक संस्थाओं, संवैधानिक मूल्यों और विकासोन्मुख नीतियों के आधार पर अपनी यात्रा निरंतर आगे बढ़ाई।महात्मा गांधी का यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है।कि भारत की आत्मा उसके गाँवों में बसती है। इसी भावना के अनुरूप आधुनिक भारत ने विकास की ऐसी अवधारणा को अपनाने का प्रयास किया जिसमें गाँव, गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग सभी विकास प्रक्रिया के सहभागी बन सकें।

पिछले एक दशक में भारत के राजनीतिक परिदृश्य में उत्तरदायी शासन, पारदर्शिता, डिजिटल प्रशासन और परिणाम आधारित राजनीति की अवधारणा अधिक सशक्त होकर उभरी है। जनता अब केवल वादों का नहीं, बल्कि कार्यों और उपलब्धियों का मूल्यांकन करने लगी है। यही स्वस्थ लोकतंत्र का आधार है।

इसी कालखंड में अनेक महत्वपूर्ण संवैधानिक एवं नीतिगत निर्णय लिए गए। अनुच्छेद 370 का निरसन, तीन तलाक पर कानून, नागरिकता से संबंधित नई नीतियों पर विमर्श तथा संसद की कार्यप्रणाली के आधुनिकीकरण जैसे कदमों ने भारतीय राजनीति में व्यापक चर्चा को जन्म दिया। इन निर्णयों के समर्थक इन्हें राष्ट्रीय एकीकरण और प्रशासनिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण मानते हैं, जबकि आलोचक इनके विभिन्न संवैधानिक और सामाजिक पहलुओं पर प्रश्न उठाते रहे हैं। लोकतंत्र की यही विशेषता है कि उसमें विविध मतों का सम्मान बना रहता है।

भारत का सांस्कृतिक पुनर्जागरण भी इस दशक की प्रमुख उपलब्धियों में गिना जाएगा। योग और आयुर्वेद को वैश्विक पहचान मिली। भारतीय भाषाओं, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रयास तेज हुए। अयोध्या में राममंदिर का निर्माण करोड़ों लोगों की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का प्रतीक बनकर उभरा। शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा, प्राचीन विज्ञान और सांस्कृतिक विरासत को नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने के प्रयास किए गए।

आज भारत की सांस्कृतिक कूटनीति इसी व्यापक दृष्टि को विश्व के समक्ष प्रस्तुत कर रही है। आर्थिक क्षेत्र में भी भारत ने उल्लेखनीय परिवर्तन देखे। मेक इन इंडिया, जीएसटी, डिजिटल इंडिया, जनधन योजना, यूपीआई, स्टार्टअप इंडिया तथा आधारभूत संरचना के विस्तार ने आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान की।

रेलवे, सड़क, हवाई अड्डों, बंदरगाहों और डिजिटल नेटवर्क के विस्तार ने भारत की विकास क्षमता को सुदृढ़ किया। वित्तीय समावेशन और डिजिटल भुगतान प्रणाली ने भारत को विश्व में एक विशिष्ट पहचान दिलाई।

यद्यपि आर्थिक उपलब्धियाँ उल्लेखनीय हैं, फिर भी बेरोजगारी, आय-असमानता, ग्रामीणङ्कशहरी विषमता तथा कृषि क्षेत्र की चुनौतियाँ अभी भी गंभीर चिंतन का विषय हैं। किसान आंदोलनों और रोजगार संबंधी बहसों ने यह स्पष्ट किया है कि विकास की गति के साथ-साथ उसका न्यायपूर्ण वितरण भी उतना ही आवश्यक है।

विदेश नीति के क्षेत्र में भारत ने संतुलित, बहुआयामी और आत्मविश्वासपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया है। वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को प्रभावी ढंग से उठाने, बहुपक्षीय मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाने तथा प्रमुख शक्तियों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने के कारण भारत का अंतरराष्ट्रीय महत्व निरंतर बढ़ा है। भारत की कूटनीतिक क्षमता और वैश्विक नेतृत्व को नई पहचान प्रदान की।

भारत आज एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रहा है जहाँ विकास, सांस्कृतिक आत्मगौरव, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय सुरक्षा समानांतर रूप से आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही लोकतांत्रिक संवाद, सामाजिक समरसता, समान अवसर और संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

यदि विकास के साथ संवेदनशीलता, विज्ञान के साथ संस्कृति, प्रगति के साथ प्रकृति और शक्ति के साथ नैतिकता का संतुलन बना रहा, तो भारत केवल एक विकसित राष्ट्र ही नहीं, बल्कि विश्व को दिशा देने वाली सभ्यता के रूप में पुनः प्रतिष्ठित होगा।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि ग का पुनर्जागरण केवल सरकारों की उपलब्धियों का इतिहास नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक चेतना, परिश्रम, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय संकल्प की प्रेरणादायी गाथा है। यही राष्ट्रीय जागरण विकसित भारत की आधारशिला है।

स्वयं को पाने का मार्ग

हम अपने जीवन में प्रमुख रूप से तीन तरह के मनुष्यों को देखते हैं। पहले वे जो हमेशा दूसरों की शिकायत ही करते रहते हैं वे अहंकार से ग्रसित होते हैं और दूसरों को दबाने का प्रयास करते हैं। दूसरे प्रकार के लोग मानो हमेशा दुखी रहने के लिए ही जीवित रहते हैं, कोई भी चीज उन्हें खुश नहीं कर सकती है। तीसरे वे लोग होते हैं जो अनुकूल या प्रतिकूल हर स्थिति में प्रसन्न रहते हैं, जो कुछ भी उन्हें उपलब्ध होता है, उसी में संतुष्ट रहते हैं।

इस संसार को इन तीनों परिस्थितियों ने ही ढक रखा है और लोग उन्हीं परिस्थितियों के चश्मे से संसार और संसार के रचयिता को देखा भी करते हैं। तीसरी तरह के जो लोग हैं वे सहज योगियों जैसे हैं, हर हाल में खुश।

वास्तव में यह संसार निराकार परमात्मा का ही साकार रूप है। यह दुनिया अदृश्य सत्ता की काया और अबोल का बोल है। जैसे नदी को पार करने के लिए जल में उतरना पड़ता है। वैसे ही सांसारिक परिस्थितियों की सरिता को पार करने के लिए उसमें उतरना पड़ता है और पार उतरने की युक्ति जानने के लिए गुरु के पास जाना पड़ता है। गुरु से ही परिस्थितियों की ओट में छिपी वास्तविकता का बोध होता है। साकार समस्याओं के मूल में अवस्थित अरूप परमात्मा का साक्षात्कार होता है। जो मनुष्य गुरु कृपा से प्राप्त युक्ति का इस्तेमाल करता है, वह इस किनारे से उस किनारे तक की यात्रा को सुरक्षित रूप से पार करने में सफल होता है। भवसागर को पार करने का आनंद तैराक योगी को ही मिलता है। नाव में बैठे सामान्य मनुष्य भी श्रद्धा और भक्ति मार्ग का सहारा ले सांसारिक समस्याओं के भोगते होते हुए भी उसे पार करने में सफल हो जाते हैं।

पर, जीवन का आनंद कहीं गुम हो जाता है। यदि ऐसा हुआ तो जीवन का उद्देश्य ही अधूरा रह जायेगा। हमारे जीने का अर्थ ही नहीं रह जायेगा। सहज योग माध्यम से आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर हम जीने का अर्थ पाते हैं। भक्ति और उपासना से ज्यादा महत्वपूर्ण है अपने को पाना। जीवन तभी सफल है ना जब हम अपने परमपिता परमेश्वर से जुडते हैं।

29 अक्टूबर 2000 के अपने एक प्रवचन में श्री माताजी ने हमें समझाने का प्रयास किया है, श्रद्धा का अर्थ केवल प्रार्थना करना नहीं है, यह मात्र विश्वास करना ही नहीं है, अपितु श्रद्धा वह है, जिसके कारण आप अपनी भक्ति व समर्पण से मिली उपलब्धियों का आनंद अपने ह्रदय में लेते हैं। इसे ही श्रद्धा कहना चाहिए।

इस अनुठी ध्यान पद्धति से जुडने हेतु व आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

सुरक्षा की जीत, गरिमा की हार? नीट-यूजी पुनर्परीक्षा का दोहरा चेहरा

21 जून 2026 को नीट-यूजी की पुनर्परीक्षा समाप्त हुई। परीक्षा केंद्रों से बाहर निकलते लाखों विद्यार्थियों के चेहरों पर राहत थी, लेकिन आंखों में एक अनकहा बोझ भी झलक रहा था। देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में शामिल इस परीक्षा को अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे में आयोजित किया गया। 22 लाख से अधिक अभ्यर्थियों, 95 हजार परीक्षा कक्षों, 1.38 लाख सीसीटीवी कैमरों, 51 हजार जैमरों, हजारों बायोमेट्रिक कर्मचारियों और कड़ी फ्रिस्किंग के बीच परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। पेपर लीक की आशंकाएं लगभग समाप्त रहीं और परिणामों पर विश्वास बहाल होने की उम्मीद जगी। इसके लिए एनटीए और केंद्र सरकार बधाई के पात्र हैं। लेकिन इस सफलता के बीच एक सवाल खड़ा है–क्या निष्पक्षता की यह कीमत हमारी युवा पीढ़ी की गरिमा और मानसिक शांति से वसूली जानी चाहिए?

पिछले वर्षों में बार-बार हुए पेपर लीक कांडों ने परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को गहरी चोट पहुंचाई थी। मई 2026 की घटना के बाद सरकार और एनटीए ने पूरे तंत्र को लगभग रीसेट कर दिया। प्रश्न-पत्र तैयार करने से लेकर उनके परिवहन तक अभूतपूर्व गोपनीयता बरती गई। रिपोर्ट्स के अनुसार कुछ स्थानों पर भारतीय वायुसेना की सहायता से प्रश्न-पत्र पहुंचाए गए, जीपीएस ट्रैकिंग, पुलिस एस्कॉर्ट और एआई आधारित निगरानी तंत्र सक्रिय किए गए। राष्ट्रीय, राज्य और मंत्रालय स्तर पर रियल-टाइम मॉनिटरिंग हुई। हजारों पर्यवेक्षक, साइबर निगरानी दल और खुफिया एजेंसियों का त्रिस्तरीय सुरक्षा नेटवर्क परीक्षा की हर गतिविधि पर नजर रखे रहा। यह व्यवस्था किसी शैक्षणिक आयोजन से अधिक एक राष्ट्रीय सुरक्षा अभियान जैसी प्रतीत होती थी।

इन उपायों का सकारात्मक परिणाम भी सामने आया। लाखों विद्यार्थियों को भरोसा मिला कि इस बार उनकी मेहनत संगठित नकल या पेपर लीक के कारण व्यर्थ नहीं जाएगी। परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़े माता-पिता को भी संतोष था कि उनके बच्चों का भविष्य किसी अपराधी गिरोह या भ्रष्ट नेटवर्क के हाथों बंधक नहीं बनेगा। लंबे समय से अपेक्षित विश्वास बहाली की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम था। निष्पक्षता किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की आत्मा है और उसे बचाने के लिए कठोर कदमों का औचित्य स्वीकार किया जा सकता है। किंतु हर सफलता कुछ ऐसे प्रश्न भी छोड़ जाती है जिन्हें केवल आंकड़ों और प्रशंसाओं से ढंका नहीं जा सकता।

सबसे बड़ा प्रश्न उस अनुभव का है जिससे विद्यार्थी गुजरे। आधार आधारित फेस रिकग्निशन, फिंगरप्रिंट सत्यापन, जेबों, कानों, जूतों और यहां तक कि कपड़ों की चेन, जिप तथा धागों तक की जांच–यह सब उस युवा पीढ़ी के साथ हुआ जो डॉक्टर बनने का सपना लेकर परीक्षा केंद्र पहुंची थी। 38,795 फ्रिस्किंग कर्मी और 48,448 बायोमेट्रिक कर्मचारी व्यवस्था की आवश्यकता रहे होंगे, लेकिन विद्यार्थियों के मन में यह अनुभव भी दर्ज हुआ कि उन पर पहले संदेह किया गया, बाद में विश्वास। कई अभ्यर्थियों ने स्वयं को अपराधियों की तरह टटोला जाता महसूस किया। यह भावना किसी परीक्षा की सफलता का हिस्सा नहीं होनी चाहिए।

इस पूरी प्रक्रिया का मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। विशेषकर छात्राओं के लिए फ्रिस्किंग कई बार असहजता और तनाव का कारण बनी। यद्यपि महिला कर्मियों की नियुक्ति की गई थी, फिर भी मानसिक दबाव पूरी तरह समाप्त नहीं हो सका। माता-पिता दूर खड़े अपने बच्चों को डिजिटल और भौतिक निगरानी के घेरे में प्रवेश करते देखते रहे। शिक्षा का मंदिर कई स्थानों पर सुरक्षा चौकी जैसा दिखाई देने लगा। यह दृश्य केवल परीक्षा व्यवस्था का नहीं, बल्कि उस सामाजिक अविश्वास का भी प्रतीक है जो धीरे-धीरे संस्थाओं और नागरिकों के बीच बढ़ता जा रहा है। जब एक छात्र परीक्षा देने से पहले स्वयं को संदिग्ध साबित होने से बचाने की प्रक्रिया से गुजरता है, तब कहीं न कहीं शिक्षा का मूल उद्देश्य भी आहत होता है।

दरअसल समस्या का मूल कारण विद्यार्थी नहीं हैं। समस्या उस व्यवस्था में है जिसने वर्षों तक पेपर लीक, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक कमजोरियों को पनपने दिया। यदि परीक्षा प्रणाली पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीकी रूप से मजबूत होती, तो शायद इतनी कठोर सुरक्षा की आवश्यकता न पड़ती। राधाकृष्णन समिति की सिफारिशें, कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली की ओर संक्रमण, उन्नत डिजिटल सुरक्षा उपाय तथा एनटीए में संरचनात्मक सुधार लंबे समय से चर्चा में रहे हैं। इस बार की सफलता सिद्ध करती है कि इच्छाशक्ति हो तो व्यवस्था सुधर सकती है। लेकिन यदि सुधार केवल सुरक्षा तक सीमित रहेगा और मूल समस्याएं जस की तस रहेंगी, तो हर वर्ष विद्यार्थियों को इसी प्रकार की कठिन और तनावपूर्ण प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा।

देश को अब तय करना होगा कि भविष्य की परीक्षा प्रणाली कैसी हो। क्या हम हर वर्ष युद्ध जैसी तैयारियां करेंगे, या ऐसे तकनीकी और संस्थागत सुधार विकसित करेंगे जिनसे सुरक्षा और सम्मान दोनों साथ चल सकें? फ्रिस्किंग को अधिक संवेदनशील और कम अपमानजनक बनाया जा सकता है। बायोमेट्रिक सत्यापन में मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जा सकता है। परीक्षा प्रक्रिया को चरणबद्ध, डिजिटल और लीक-प्रूफ बनाया जा सकता है। सुरक्षा का उद्देश्य भय नहीं, विश्वास पैदा करना होना चाहिए। यदि कोई व्यवस्था निष्पक्ष तो हो जाए, पर उसमें मानवीय गरिमा खो जाए, तो वह अधूरी सफलता ही कहलाएगी।

नीट-2026 की पुनर्परीक्षा भारत की परीक्षा प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। इस बार परीक्षा सफल रही, विवादों से अपेक्षाकृत मुक्त रही और लाखों छात्रों के परिश्रम को न्याय मिलने की संभावना मजबूत हुई। यह उपलब्धि छोटी नहीं है। फिर भी यह घटना चेतावनी देती है कि केवल सुरक्षा बढ़ाना समाधान नहीं है। मां-बाप के सपनों से जुड़ी यह व्यवस्था कब तक चलेगी? क्या हम अपने युवाओं को पंख देकर उड़ाना चाहते हैं या उन्हें बायोमेट्रिक सलाखों के बीच भविष्य तलाशने के लिए छोड़ देना चाहते हैं? निष्पक्षता आवश्यक है, पर गरिमा भी उतनी ही आवश्यक है। असली विजय तब होगी जब परीक्षा केंद्र से बाहर निकलता छात्र केवल राहत नहीं, सम्मान और आत्मविश्वास भी महसूस करे।

-प्रो. आरके जैन

संवैधानिक प्रावधान और वास्तविक व्यवहार में बड़ा अंतर

लोकतंत्र को विश्व की सर्वाधिक जनोन्मुख और उत्तरदायी शासन व्यवस्था माना जाता है। इसकी मूल अवधारणा अत्यंत सरल और आकर्षक है–सत्ता का वास्तविक स्रोत जनता होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करती है, सरकार बनाती है और अंततः वही शासन की अंतिम स्वामिनी होती है। आधुनिक लोकतंत्र का पूरा ढाँचा इसी सिद्धांत पर आधारित है कि राज्य जनता के लिए है, जनता द्वारा संचालित है और जनता के प्रति जवाबदेह है। भारत का संविधान भी इसी भावना को स्वीकार करता है। संविधान की प्रस्तावना ÷हम भारत के लोग÷ शब्दों से प्रारंभ होती है, जो स्पष्ट रूप से यह घोषणा करती है कि देश की संप्रभुता और सत्ता का अंतिम स्रोत जनता ही है। सैद्धांतिक रूप से देखा जाए तो लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता के सेवक होते हैं और सरकारी संस्थाएँ जनता की सुविधा तथा कल्याण के लिए कार्य करती हैं। किंतु जब हम लोकतंत्र के व्यवहारिक स्वरूप को देखते हैं तो अनेक बार यह आदर्श स्थिति वास्तविकता से काफी दूर दिखाई देती है।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि संविधान में जनता को सर्वोच्च स्थान प्राप्त होने के बावजूद व्यवहार में वही जनता अक्सर उपेक्षित, असहाय और याचक की भूमिका में दिखाई देती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जिस नागरिक को व्यवस्था का केंद्र होना चाहिए, वह अनेक बार व्यवस्था के किनारे खड़ा दिखाई देता है। सरकारी कार्यालयों में अपने अधिकारों और वैधानिक सुविधाओं के लिए नागरिकों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। एक सामान्य व्यक्ति को प्रमाण पत्र बनवाने, भूमि अभिलेख प्राप्त करने, पेंशन, राशन, छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य सुविधा या अन्य सरकारी सेवाओं के लिए लंबी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। कई बार उसे यह अनुभव होता है कि वह किसी अधिकार का उपयोग नहीं कर रहा, बल्कि किसी कृपा की याचना कर रहा है। लोकतंत्र की आत्मा यह कहती है कि जनप्रतिनिधि जनता के प्रति जवाबदेह हों, किंतु व्यवहार में अनेक बार स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। चुनाव के समय जनता का महत्व अचानक बढ़ जाता है। नेता घर-घर पहुँचते हैं, हाथ जोड़ते हैं, वादे करते हैं और स्वयं को जनता का सेवक बताते हैं। किंतु चुनाव संपन्न होने के बाद जनता और प्रतिनिधियों के बीच दूरी बढ़ने लगती है। अनेक नागरिकों का अनुभव है कि जिन प्रतिनिधियों तक चुनाव से पहले पहुँचना आसान होता है, वे चुनाव के बाद सामान्य नागरिकों की पहुँच से दूर हो जाते हैं। इससे लोकतंत्र के प्रति लोगों का विश्वास कमजोर पड़ता है और यह भावना विकसित होती है कि सत्ता जनता की नहीं, बल्कि सत्ता प्राप्त समूहों की संपत्ति बनकर रह गई है। लोकतंत्र में जनसेवा को सर्वोच्च मूल्य माना गया है, किंतु वास्तविकता में कई बार जनसेवा की अवधारणा सत्ता और विशेषाधिकार प्राप्त करने का माध्यम बन जाती है।

-डॉ. शैलेश शुक्ला

युद्धविराम से आगेः क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।

-ललित गर्ग

डेटा सेंटर क्षमता बढ़ाए बिना पूरा नहीं होगा एआई का बड़ा सपना

ईरान युद्ध ने ऊर्जा आपूर्ति में अभूतपूर्व व्यवधान उत्पन्न कर दिया, और इसकी वजह से 'अल्पकालिक बाधाएं', 'मार्जिन दबाव' और 'स्थगित पूंजीगत व्यय' जैसे वाक्यांश बोर्डरूम में गूंजते रहे हैं। लेकिन एक उम्मीद की किरण कायम रही। वह यह कि डेटा सेंटर (डीसी) के निर्माण में पूंजीगत व्यय को टाला नहीं गया है। वित्त वर्ष 2026 के अंत तक भारत में डीसी की लगभग 1 गीगावॉट क्षमता थी और इस वित्त वर्ष में यह दोगुनी हो जाएगी। वर्ष 2030 तक यह 8 गीगावॉट तक पहुंच जाएगी। गूगल, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ-साथ अदाणी समूह, रिलायंस, भारती और टाटा की भी भारत के लिए बड़ी डेटा सेंटर योजनाएं हैं।

कुल मिलाकर, अकेले पूंजीगत व्यय में ही 30 अरब डॉलर से अधिक का खर्च होगा। इस व्यापक विस्तार के कई कारण हैं। भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या बहुत अधिक है और लगातार बढ़ रही है। यह दुनिया की सबसे अधिक डेटा खपत करने वाली आबादी है, और 5जी की उपलब्धता डेटा की खपत को और भी बढ़ा रही है।

फिलहाल भारत में वैश्विक जनसंख्या का 17 फीसदी हिस्सा है। लेकिन यह वैश्विक डेटा का 20 फीसदी उत्पन्न करता है, और इसके पास वैश्विक डीसी क्षमता का केवल लगभग 3फीसदी हिस्सा ही है। डेटा संप्रभुता सरकार का एक अनिवार्य दायित्व है, और क्षमता बढ़ाए बिना इसे पूरा नहीं किया जा सकता है। निश्चित रूप से, साथ में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की मांगें भी हैं।

एआई के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की नीतिगत आकांक्षाएं आवश्यक डेटा सेंटर क्षमता के बिना पूरी नहीं हो सकतीं। स्मार्टफोन की बढ़ती संख्या भारत को सभी डिजिटल सेवाओं के लिए एक बेहतरीन परीक्षण स्थल बनाती है, और तकनीकी रूप से सक्षम कार्यबल की उपलब्धता इसे एआई नवाचार का एक संभावित केंद्र बनाती है।

कई कंपनियां इस संभावना को लेकर बेहद उत्साहित हैं। डीसी के विस्तार से टर्बाइन (त्रिवेणी टर्बाइन), स्पेशलिटी केबल (अपार इंडस्ट्रीज), ट्रांसफॉर्मर (सीमेंस एनर्जी, सीजी पावर), चिलर और कूलिंग टावर (थर्मैक्स) और स्किड्स (प्राज इंडस्ट्रीज) की मांग बढ़ रही है।

डीजल जेनसेट निर्माता कमिंस का कहना है कि डीसी पहले से ही घरेलू राजस्व में 30-35 फीसदी का योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा, निर्माण क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं।

एक बार चालू हो जाने पर, डेटा सेंटर रोजगार सृजित करते हैं। इनमें मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, कूलिंग प्लांट ऑपरेटर, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और डेटा सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट (डीसीआईएम) के लिए विशेषीकृत ऑपरेटर शामिल होते हैं। डीसीआईएम में सर्वर, पावर यूनिट, कूलिंग सिस्टम आदि की निगरानी और प्रबंधन के लिए आवश्यक सॉफ्टवेयर और टूल्स का उपयोग शामिल है। उचित कौशल प्रशिक्षण दिए जाने पर, डीसी बेरोजगारी संकट को कम करने में सहायक हो सकते हैं।

यह सब सभी के लिए फायदेमंद प्रतीत होता है और राज्य डीसी की स्थापना के लिए होड़ कर रहे हैं। यदि सेमीकंडक्टर निर्माण योजनाएं भी सफल होती हैं, और उत्पादन-संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के परिणामस्वरूप कुछ उपकरणों का स्थानीय स्तर पर निर्माण होता है, तो इससे पारिस्थितिकी तंत्र में और अधिक घरेलू स्तर जुड़ जाएंगे।

तो फिर चुनौतियां कहां हैं? डीसी बिजली और पानी की खपत के मामले में बहुत बड़े खब्बू हैं। वर्ष 2030 तक ये वैश्विक बिजली मांग का 8-10 फीसदी उत्पन्न करेंगे। इन्हें ठंडा रखने के लिए भारी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, बिजली की मांग की प्रकृति (100 फीसदी अपटाइम) के कारण डीजल जेनरेटरों का उपयोग होता है, जिससे ये बहुत शोरगुल वाले और प्रदूषणकारी हो सकते हैं।

भारत जल की कमी से जूझ रहा है और बिजली की चरम मांग को पूरा करने में कठिनाई का सामना कर रहा है। यह दुनिया का सबसे प्रदूषित देश भी है। नीति निर्माता डीसी को बढ़ावा दे रहे हैं, लेकिन इन चुनौतियों के समाधान पर उचित ध्यान दिए बिना ऐसा करने से स्थिरता का संकट पैदा हो सकता है और अंततः राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

हाल ही के अमेरिका के अनुभव का उल्लेख करना उचित होगा। हार्वर्ड के अर्थशास्त्री जेसन फरमैन ने गणना की है कि वर्ष 2025 की पहली छमाही में, डीसी और क्लाउड-संबंधित बुनियादी ढांचे में निवेश अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 4 फीसदी था और इसने जीडीपी वृद्धि में 90 फीसदी से अधिक का योगदान दिया।

लेकिन हाल ही में हुए गैलप सर्वेक्षण से पता चला है कि 71 फीसदी अमेरिकी अब स्थानीय समुदायों में डेटा सेंटर के निर्माण के ?खिलाफ हैं, जिनमें से 48 फीसदी इसका कड़ा विरोध करते हैं। दूसरी ओर केवल 53 फीसदी अमेरिकी परमाणु संयंत्रों का विरोध करते हैं। वर्ष 2025 में 156 अरब डॉलर की लागत वाली 48 अमेरिकी डीसी परियोजनाएं रोक दी गई या स्थगित कर दी गई, और मार्च 2026 तक 20 अन्य परियोजनाएं रद्द कर दी गईं। जर्मनी, जापान, ब्रिटेन और अन्य देशों में भी डीसी परियोजनाओं के खिलाफ नागरिक समाज का ऐसा ही विरोध देखा गया है। ये अब 'नॉट इन माई बैकयार्ड' आंदोलन के प्रमुख केंद्र बिंदु बन गए हैं।

पानी और ऊर्जा की खपत, बढ़े हुए बिजली बिल और ध्वनि प्रदूषण को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण यह विरोध बढ़ रहा है। ये चिंताएं भारत में भी स्वाभाविक रूप से उठेंगी और उचित ध्यान दिए बिना डीसी तैयार करना सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप नहीं होगा।

इन चिंताओं का समाधान बेहतर डिजाइन नीतियों द्वारा किया जा सकता है जो स्थिरता पर ध्यान देती हैं, उदाहरण के लिए, अपशिष्ट जल का उपयोग और पुनर्चक्रण करके, डीजल जेनरेटरों की आवश्यकता को कम करने के लिए बैटरी स्टोरेज के साथ नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को शामिल करके, आदि। लेकिन ये सब उपाय नीति संरचना में अंतर्निहित होने चाहिए और इसे सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। अन्यथा, डेटा सेंटर का विस्तार पटरी से उतर सकता है।

-धनंजय राजौरा

निर्वाचन आयोग की ब्रांड एंबेसडर सारिका घारू ने देवास में सिखाया वोट का पाठ

पारंपरिक और आधुनिक तौर-तरीकों का संगम कर नागरिकों को मतदातासूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया से जोड़ा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 के तहत देवास जिले में रोचक गतिविधियों के साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य निर्वाचन आयोग कमिश्नर मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में निर्वाचन आयोग की ब्रांड एंबेसडर सारिका घारू ने पारंपरिक और आधुनिक तौर-तरीकों का संगम कर नागरिकों को मतदातासूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया से जोड़ा। उनहोंने बताया कि कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन में देवास जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों के नागरिकों को मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई ।

कार्यक्रम के दौरान सारिका घारू ने नागरिकों का एक बड़ा भ्रम दूर करते हुए विशेष रूप से स्पष्ट किया कि यह करीब 6 महीने पहले हुए भारत निर्वाचन आयोग एसआईआर यानी लोकसभा या विधानसभा वाली मतदाता सूची से अलग प्रक्रिया है, वर्तमान में आपके गांव की पंचायत और शहर के नगर निकाय के चुनावों के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा यह प्रक्रिया चलाई जा रही है। इसलिए, जिन नागरिकों का नाम विधानसभा सूची में है, उन्हें भी इस स्थानीय निकाय की सूची में अपना नाम दोबारा जरूर जांचना चाहिए।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पारंपरिक लोकसंगीत रहा, जिसके माध्यम से स्थानीय भाषा में वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने की कहानी को बेहद रोचक अंदाज में प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही, 25 जून तक नाम जोड़ना, हम सबकी जिम्मेदारी जैसे आकर्षक चुनावी जिंगल्स और गीतों की मदद से आमलोगों, विशेषकर युवाओं और महिलाओं को जागरूक किया। इस दौरान सारिका घारू ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि स्थानीय सरकार हमारे लोकतंत्र की बुनियाद है। जो युवा 1 जनवरी 2026 को या उससे पहले 18 वर्ष के हो चुके हैं, वे अपना नाम तुरंत जुड़वाएं। इसके साथ ही आयोग द्वारा बढ़ाई गई 25 जून की अंतिम तिथि का उपयोग कर मतदाता सूची में नाम, लिंग या पते की त्रुटियों को सुधरवाएं। कार्यक्रम में स्थानीय चुनावों में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के संकल्प को भी मजबूत किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी में योग कार्यक्रम का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

संस्थान के चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया ने अपने संदेश में कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य धरोहर है, जिसे नियमित जीवनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वस्थ एवं संतुलित जीवन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी को प्रतिदिन योग करने के लिए प्रेरित किया।

संस्थान के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र सिंह भदौरिया ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के लिए योग एक प्रभावी एवं सरल माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों से नियमित योगाभ्यास करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर डॉ. पलक, डॉ. दामिनी एवं डॉ. प्रवीण द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। उन्होंने योग के स्वास्थ्य लाभों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि नियमित योग से तनाव, चिंता एवं विभिन्न जीवनशैली जनित रोगों की रोकथाम में सहायता मिलती है।

कार्यक्रम में संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ जीवन एवं निरोगी समाज के संदेश के साथ किया गया।

हल्की बारिश से मौसम में घुली ठंडक, तेज बारिश का अभी भी इंतजार

मानसून के इंतजार में आसमान ताक रहे किसान, नगर में हो रही हल्की वर्षा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में प्री-मानसून एक्टिविटी के तहत रूक-रूककर बारिश का दौर जारी है, लेकिन मानसून ने अभी तक दस्तक नहीं दी है। इससे परेशान किसान अब आसमान ताक रहे हैं, क्योंकि मानसूनी बारिश के अभाव में जमीन में पर्याप्त नमी नहीं आई है जिसके चलते किसान बोवनी कर सके हैं। जिन किसानों ने बोवनी की है उन्होंने भी निजी संसाधनों के माध्यम से की है, लेकिन उन्हें भी मानसूनी बारिश की दरकार है।

नगर में सोमवार को भी दोपहर बाद मौसम बदला और आसमान पर छाए काले बादल कुछ देर के लिए बरस पड़े। नगर में हुई करीब 15 मीनिट की बारिश से मौसम सुहावना हो गया और सड़कों पर भी पानी बह निकला। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि अभी मानसूनी बारिश के लिए एक सप्ताह और इंतजार करना होगा, क्योंकि मानसून महाराष्ट्र तक पहुंच चुका है जिसके यहां पहुंचने में एक सप्ताह या इससे ऊपर एक दो दिन और लग सकते हैं। जिसके बाद नगर में बारिश का दौर शुरू होगा। उन्होंने बताया कि सोमवार को जिले का अधिकतम तापमान 35.7 व न्यूनतम तापमान 25.1 दर्ज किया गया। फिलहाल जिले में भारी बारिश की संभावना नहीं है। लेकिन तापमान ऐसा ही बना रहेगा और नगर में हल्की बारिश होती रहेगी। आगामी तीन से चार दिनों तक इसी तरह बादल छाए रहने, तेज हवा चलने और हल्की बारिश का दौर बना रह सकता है।

30 जून से 1 जुलाई के बीच दस्तक दे सकता है मानसून- मौसम विभाग के अनुसार शाजापुर में दक्षिण-पश्चिम मानसून 30 जून से 1 जुलाई के बीच दस्तक दे सकता है। इसके बाद जिले में अच्छी बारिश होने की संभावना है। वर्तमान में प्री-मानसून गतिविधियों के कारण मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। फिलहाल नगर में शाम के समय हो रही बारिश से लोगों को राहत मिल रही है।

हरियाली का संकल्प, शंकरगढ़ पहाड़ी को हरा-भरा बनाने की पहल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक कार्यों में अग्रणी संस्था हमारे बढ़ते कदम बाल एवं महिला वेलफेयर सोसायटी द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ग्रीन आर्मी एवं वन विभाग के सहयोग से शंकरगढ़ पहाड़ी क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक योगाभ्यास से हुआ, जिसमें उपस्थित सभी सदस्यों ने योग कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इसके पश्चात पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सीड्स बॉल (बीज गेंद) निर्माण गतिविधि आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि शंकरगढ़ पहाड़ी को अधिक से अधिक हरा-भरा एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए निरंतर पौधारोपण एवं जनजागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संस्था की मोना मालवीय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। पर्यावरण स्वच्छ रहेगा तभी हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण में जीवन व्यतीत कर सकेंगी। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर संस्था के सहयोगी शेखर चौहान, पुष्पलता सोनगरा, मनीष, यज्ञेश चौधरी, नेहा श्रीवास्तव, धर्मेंद्र चंदेल, अंकित बैस सहित ग्रीन आर्मी के समरजीत जाधव, भरत पाटीदार एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संस्था सदस्यों ने ग्रीन आर्मी एवं वन विभाग के प्रति सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

मत्स्याखेट/विनिमय/परिवहन 15 अगस्त तक प्रतिबंधित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्रीय प्रबंधक मध्य प्रदेश मत्स्य महासंघ (सहकारी) मर्यादित ओंकारेश्वर इकाई खण्डवा ने बताया कि ओंकारेश्वर जलाशय में 15 अगस्त 2026 तक मत्स्याखेट/मत्स्य परिवहन पर प्रतिबंधित लगाया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में मध्य प्रदेश नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा (3)(2) के अंतर्गत 15 अगस्त तक की अवधि को बन्द ऋतु (मत्स्य प्रजनन काल) घोषित किया गया है। मध्य प्रदेश मत्स्य महासंघ के अधीन ओंकारेश्वर जलाशय में भी उक्त अवधि में जिले में मत्स्याखेट, मत्स्य क्रय-विक्रय, मत्स्य विनियम एवं मत्स्य परिवहन करना निषेध है। आदेश का उल्लंघन करने पर मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र (संशोधित) अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लंघनकर्ता को एक वर्ष तक का कारावास या पांच हजार रूपय तक का जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जायेगा। इस अवधि में कोई भी मत्स्याखेट एवं मत्स्य परिवहन न करे एवं न ही इन कार्यो में सहयोग दें। उल्लंघनकर्ता के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

जिला रोजगार कार्यालय देवास में आयो?जित प्लेसमेंट ड्राइव में 58 युवाओं का हुआ चयन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला रोजगार अधिकारी देवास ने बताया कि जिले के युवाओं को निजी संस्थाओं में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय देवास में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट ड्राइव कुल 112 आवेदकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें से विभिन्न प्रतिष्ठित निजी संस्थाओं द्वारा योग्यता के आधार पर कुल 58 आवेदकों का प्राथमिक चयन कर उन्हें मौके पर ही ऑफर लेटर प्रदान किए। प्लेसमेंट ड्राइव में शामिल होने वाले सभी युवाओं का पहले देवास जॉब पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराया गया। पंजीयन के उपरांत नियोक्ताओं द्वारा साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी की गई। युवाओं को कैरियर काउंसलिंग एवं खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं और मिलने वाली सहायता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्लेसमेंट ड्राइव में व्हीई कमर्शियल देवास, किर्लोस्कर ब्रदर्स लि. देवास, यशस्वी कांट्रेक्टर देवास, एम काशिफ कांट्रेक्टर देवास, भारतीय जीवन बीमा निगम देवास, बीएबल इन्दौर सहित कुल 12 निजी संस्थाओं ने भाग लिया।

निर्वाचन आयोग की ब्रांड एंबेसडर सारिका घारू ने देवास में सिखाया वोट का पाठ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 के तहत देवास जिले में रोचक गतिविधियों के साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य निर्वाचन आयोग कमिश्नर श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में निर्वाचन आयोग की ब्रांड एंबेसडर सारिका घारू ने पारंपरिक और आधुनिक तौर-तरीकों का संगम कर नागरिकों को मतदातासूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया से जोड़ा। उनहोंने बताया कि कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह के निर्देशन में देवास जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों के नागरिकों को मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई । कार्यक्रम के दौरान सारिका घारू ने नागरिकों का एक बड़ा भ्रम दूर करते हुए विशेष रूप से स्पष्ट किया कि यह करीब 6 महीने पहले हुए भारत निर्वाचन आयोग एसआईआर यानी लोकसभा या विधानसभा वाली मतदाता सूची से अलग प्रक्रिया है, वर्तमान में आपके गांव की पंचायत और शहर के नगर निकाय के चुनावों के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा यह प्रक्रिया चलाई जा रही है। इसलिए, जिन नागरिकों का नाम विधानसभा सूची में है, उन्हें भी इस स्थानीय निकाय की सूची में अपना नाम दोबारा जरूर जांचना चाहिए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पारंपरिक लोकसंगीत रहा, जिसके माध्यम से स्थानीय भाषा में वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने की कहानी को बेहद रोचक अंदाज में प्रस्तुत किया गया।

पुलिस और कार्यकर्ताओं में हुई नोंकझोंक, कलेक्टर से मिलने की जिद पर अड़े आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय में किया प्रदर्शन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन किया और अहिरवार कृषि फार्म पर हुए गोली कांड के साथ ही भूमाफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्टर से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपने की जिद पर अड़े रहे। इस दौरान उनकी पुलिसकर्मियों से नोंकझोंक भी हुई। हालांकि कार्यकर्ता समझाईश के बाद मान गए और मामला शांत हो गया।

आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता सोमवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर से मिलने की जिद करने लगे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच गेट पर हल्की नोकझोंक हुई। कुछ कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर से मिलने का प्रयास किया, जिन्हें पुलिस ने रोकने की कोशिश की। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मी रेलिंग कूदते हुए भी देखे गए। शुरुआत में प्रदर्शनकारी तहसीलदार सुनील पाटिल को ज्ञापन देने को तैयार नहीं हुए। बाद में डिप्टी कलेक्टर मौके पर पहुंचीं और करीब 10-15 मिनट तक प्रदर्शनकारियों से जमीन पर बैठकर चर्चा की, लेकिन फिर भी ज्ञापन नहीं सौंपा गया। संयुक्त कलेक्टर आलोक वर्मा ने प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी और एडीएम से मुलाकात कराई, जिसके बाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। एडीएम ने मामले में दो दिन के भीतर जांच का आश्वासन दिया, तब जाकर प्रदर्शन समाप्त हुआ।

इन मांगों के लिए सौंपा ज्ञापन- आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश गोयल ने चेतावनी दी कि यदि दो दिन में उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो पार्टी उग्र आंदोलन करेगी और सड़क जाम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 25 मई को अहिरवार कृषि फार्म पर हुई गोलीबारी और हमले की निष्पक्ष जांच हो और हथियारों और जेसीबी मशीनों की जब्ती की जाए। इसके साथ ही मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी तथा पीड़ित परिवार को सुरक्षा दी जाए। वहीं भूमाफियाओं द्वारा कृषि भूमि पर अवैध कालोनियां विकसित करने, प्रशासनिक मिलीभगत के आरोप और ग्राम तिलावद मैना में अनुसूचित जाति बस्ती के समीप संचालित ईंट भट्टों से हो रहे प्रदूषण का मुद्दा भी उठाया गया।

पुल-पुलिया पर जलभराव की स्थिति में आवागमन रोकें, समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋजु बाफना की अध्यक्षता में सोमवार को समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी को विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों की शत प्रतिशत समग्र आईडी बनाने और बच्चों के नामांकन करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी को विद्यालयों में अभियान चलाकर संलग्न सभी वाहनों के फिटनेस, बीमा, ड्राइवरो के लायसेंस आदि की जाँच करने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि वर्षा के दौरान पुल पुलिया पर जलभराव होने की स्थिति में यह सुनिश्चित करें कि कोई भी वाहन पुल पुलियाओं को पार नहीं करे तथा नियम विरुद्ध संचालित वाहनों पर नियमित रूप से कार्यवाही करने के भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए सीएमएचओ को नियमित रूप से स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण करने, जिला चिकित्सालय में ईलाज कराने आए मरीजों का आयुष्मान कार्ड बनाने एवं उनका ईलाज कराने सहित अन्य निर्देश दिये। उन्होंने गर्भवती माताओं की समग्र ईकेवायसी कराने, एएनसी रजिस्ट्रेशन करने तथा सोनोग्राफी सेंटर पर सोनोग्राफी प्रारंभ कराने के निर्देश दिये।

उन्होंने निर्देश दिए कि शासन की योजना के तहत प्रत्येक माह की 09 एवं 25 तारीख को गर्भवती महिलाओं के लिए निजी (प्राइवेट) अस्पतालों/सोनोग्राफी केंद्रों पर निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा मिले यह सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों, कृषि, सहकारिता को नियमित रूप से अपने-अपने क्षेत्र के उर्वरक केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखने, वर्षाकाल से पूर्व प्राप्त सभी सीमांकन के प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी नगरीय निकायों के सीएमओ एवं जनपद पंचायतो के सीईओ को निर्देश दिये हैं कि समग्र आईडी का सत्यापन कराएं तथा ऐसे व्यक्ति जो शाजापुर में निवासरत नहीं हैं समग्र आईडी से विलोपित करने एवं जिन व्यक्तियों की समग्र आईडी नहीं है उनकी समग्र आईडी बनाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देश दिये कि विशेष अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ प्रदान करें। अन्य अधिकारियों को भी कलेक्टर ने जरूरी निर्देश दिए। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर राजकुमार हलदर, गुलाना नेहा गंगारे, डिप्टी कलेक्टर आलोक वर्मा, अंकिता पाटकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मामूली बात पर भिड़े दो पक्ष, लाठी-तलवार से किया हमला

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम भंडेड़ी में एक ही परिवार के दो पक्ष आपस में भिड़ गए। विवाद घर के बाहर खड़ी बाईक को लेकर शुरू हुआ जो बाद में मारपीट तक पहुंच गया और तलवार व लाठी चली। विवाद में आठ लोग घायल हो गए, जिनका जिला अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। प्रेम पिता अमराजी बागरी (40) ने मोहन बड़ोदिया थाने में शिकायत दर्ज कराई कि कैलाश पिता अमरसिंह बागरी और उसके बेटे अजय, निवासी ग्राम भंडेड़ी ने बाइक हटाने की बात पर विवाद किया। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने गाली-गलौज की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। प्रेम के पक्ष से घायल होने वालों में प्रेम, बाबूलाल, सुनील, मीना बाई और अंजुबाई शामिल हैं। वहीं दूसरे पक्ष के कैलाश ने आरोप लगाया कि वे अपने परिवार के साथ घर के अंदर बैठे थे। उन्होंने बताया कि उनकी नई गाड़ी बाहर खड़ी थी, जिसे दूसरे पक्ष ने क्षतिग्रस्त कर दिया और उनके साथ मारपीट की। इस घटना में कैलाश, उनकी पत्नी ममता और उनके बच्चे को भी चोटें आई हैं। मोहन बड़ोदिया थाना प्रभारी अरविंद तोमर ने बताया कि एक पक्ष की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे पक्ष के अस्पताल से छुट्टी मिलने और उनके बयान दर्ज होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे स्टेशन पर युवक ने खाया जहर, इंदौर रैफर, कर्ज से परेशान होकर युवक ने उठाया कदम

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले के रहने वाले एक युवक ने स्थानीय रेलवे स्टेशन पर जहरीला पदार्थ खा लिया। वहां मौजूद रेलवे पुलिस ने युवक की तबियत बिगड़ती देखी और पूछा तो उसने जहर खाने की जानकारी दी। इस पर उसे तुरंत जिला अस्पताल लाया गया, जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रैफर कर दिया गया। घटना सोमवार सुबह करीब 7 बजे की है। युवक रेलवे स्टेशन पर बैठा था। जब रेलवे पुलिस कर्मियों ने उसकी तबीयत खराब देखी। पूछताछ में युवक ने बताया कि उसने सल्फास की गोली खाई है और वह कर्ज के बोझ से परेशान था, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया। युवक की बिगड़ती हालत को देखते हुए रेलवे पुलिस ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस के पायलट गौतम गुर्जर और ईएमटी गौतम बैरागी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्राथमिक उपचार देते हुए युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए इंदौर रेफर कर दिया। युवक देवास जिले के टोंक खुर्द तहसील के ग्राम जामुड़ी का रहने वाला है जिसका नाम कांतिलाल पिता हीरालाल है। पुलिस ने उसके परिजनों को भी सूचित कर दिया है।

रिवर्स लेते समय खुले गड्ढे में पलटा ई-रिक्शा

दो माह पहले की गई थी खुदाई, अभी तक हादसों का कारण बन रहा खुला गड्ढा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका द्वारा दो माह पहले खोदा गया गड्ढा अभी तक खुला पड़ा है, जिसमें आज भी हादसे हो रहे हैं। सोमवार दोपहर को भी रिवर्स लेने के चक्कर में एक ई-रिक्शा गड्ढे में जा गिरा। गनीमत रही कि चालक को ज्यादा चोंट नहीं आई, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर लापरवाही की पोल खोल दी।

दरअसल नगर पालिका ने यहां एक बड़ा गड्ढा खोदा था, जिसे पिछले दो महीने से ऐसे ही लावारिस छोड़ दिया गया था। जहां पानी की पाइपलाइन फूट गई थी। उस समय नपा कर्मियों ने लाईन तो सुधार दी, लेकिन गड्ढे को उसी हालत में छोड़ गए। तब से यहां कई लोग हादसे का शिकार हो चुके हैं। गनीमत है कि अभी तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन यदि समय रहते इस गड्ढे की मरम्मत नहीं की गई तो कोई बड़ी बात नहीं कि कोई गंभीर हादसे का शिकार हो जाए।

डिलेवरी करने जा रहा था चालक, रिवर्स लेते समय हुआ हादसा- ई-रिक्शा चालक भगवान सिंह कुंडल जो अपने वाहन से खाने-पीने के सामान की सप्लाई (आपूर्ति) करते हैं। वह होंडा शोरूम के पास अपनी गाड़ी रिवर्स ले रहा था। इसी दौरान उनका ध्यान नहीं गया और ई-रिक्शा का पिछला हिस्सा सीधे गड्ढे में धंस गया और रिक्शा पलटते-पलटते बचा।

क्षत्रिय राठौड़ समाज का 20 वा सामूहिक विवाह सम्मेलन 11 फरवरी 2027 को होगा

समाज की बैठक में लिया गया निर्णय, आयोजन को भव्य बनाने की तैयारियां शुरू

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षत्रिय राठौड़ समाज द्वारा आगामी 11 फरवरी 2027, गुरुवार को भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी एवं युवा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में समाज के महापुरुषों का पूजन-अर्चन कर आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौड़ ने बताया कि समाज के सहयोग से यह सम्मेलन भव्य एवं ऐतिहासिक रूप से आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता, भाईचारा एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना तथा विवाह समारोहों में होने वाले अनावश्यक खर्चों को कम करना है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा तथा समाज के प्रत्येक परिवार से सहयोग लिया जाएगा। समाज के अधिक से अधिक युवक-युवतियों को इस सम्मेलन से जोड़ने के लिए पंजीयन अभियान भी चलाया जाएगा। समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन सामाजिक समरसता को मजबूत करने के साथ-साथ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए भी सहायक सिद्ध होते हैं। समाज के युवाओं को आयोजन की विभिन्न जिम्मेदारियों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। आयोजकों ने बताया कि विवाह सम्मेलन से संबंधित पंजीयन प्रक्रिया, नियम एवं अन्य आवश्यक जानकारियां शीघ्र जारी की जाएंगी। समाज के सभी बंधुओं से तन, मन और धन से सहयोग कर आयोजन को सफल बनाने की अपील की गई। पूरी जानकारी मीडिया प्रभारी मोहित राठौड़ ने दी।

अप्रेन्टिसशिप युवा संगम एवं रोजगार व स्वरोजगार मेला 23 जून को

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप 23 जून को प्रातः 11 बजे से गदाईपुरा रेडीमेड गारमेंट पार्क परिसर में स्थित जिला रोजगार कार्यालय में एक दिवसीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेटिंसशिप युवा संगम का आयोजन होगा। जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण शाला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने जा रहे इस रोजगार मेले में आकर्षक पैकेज पर निजी क्षेत्र की 20 कंपनियां भर्ती के लिये आ रही हैं। ये कंपनियां आ रही हैं भर्ती करने- उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार युवा संगम में भर्ती करने आ रही कंपनियों में क्विक आईटी सॉल्यूशन इन कंसल्टेंसी ग्वालियर, पेटीएम सर्विस प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर, टाटा स्ट्राइव स्किल डवलपमेंट पडाव ग्वालियर, भारत-पे प्राइवेट लिमिटेड ग्वा0, आई सेक्ट ग्वालियर, जॉब्स फेयर नाउ प्राइवेट लिमिटेड भोपाल, इन्दौर, दिल्ली, एयरटेल प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर, जमुना आटो प्राइवेट लिमिटेड मालनपुर, एस0 आर0 एफ0 प्राइवेट लिमिटेड मालनपुर, (एच0डी0एफ0सी0) बैंकर नौकरी फाई कॉम, वेरा इलेक्ट्रिकल मैन्यूफेक्चरिंग ग्रेटर नोयड़ा, वीवो मोबाइल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ग्रेटर नोयड़ा, निडेक प्राइवेट लिमिटेड नीमराना, राजस्थान, समीक्षा इंस्टीटयूट फूलबाग ग्वालियर, प्लैटिनम एच0 आर0 सॉल्यूशंस गुजरात, जे0बी0 मंधाराम फूड प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर चेकमेट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड जामनगर गुजरात, गरुण 24म7 सिक्योरिटी सर्विसेज ग्वालियर, अयांश एग्रो बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर, विराट बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड अहमादाबाद, भारतीय एक्सा लाइफ इन्श्योरेंस ग्वालियर, इंडसाइंड निप्पॉन लाइफ प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर, आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्राइवेट लिमिटेड, टीवीएस0 मोटर कंपनी होसुर, तमिलनाडु आदि शामिल हैं। इन पदों के लिये होगी भर्ती- इन कंपनियों द्वारा सिक्योरिटी गार्ड, ट्रेनी वर्कर, मशीन ऑपरेटर अस्सिटेंट मैनेजर, रिलेशनशिप मैनेजर, डिप्टी मैनेजर इलेक्ट्रीशियन, अभिकर्ता, अप्रेटिंस ट्रेनी, सैल्स एग्ज्यूकेटिव, फील्ड सैल्स एग्ज्यूकेटिव, ट्रेनीज, ऑफिस मैनेजमेंट, सिक्योरिटी मैनेजमेंट, पर्यवेक्षक, स्टोर कीपर, कार्यालय सहायक, हेल्पर, सुरक्षा जवान, दूर गाइड, असिस्टेट मैनेजर, सुपरवाईजर, टेली कॉलर, ड्रायवर, डिप्लोमा आई.टी.आई. सभी ट्रेड में, डिप्लोमा आई.टी.आई. सभी ट्रेड में, डिप्लोमा एमई ईई, ईसीई, आई एण्ड आई.टी.आई. सभी ट्रेड में सी. डिप्लोमा एमई ईई केमिकल एण्ड सिविल आई.टी.आई. फिटर, टर्नर एवं मशीनिष्ट आदी।

मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना संबल के लंबित आवेदनों का शीघ्र करें निराकरण -कलेक्टर

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ को मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना संबल के अंतर्गत लंबित आवेदन पत्रों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को समय पर योजना का लाभ मिलना चाहिए, ताकि उन्हें आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके। कलेक्टर ने कहा कि यह योजना राज्य शासन की महत्वपूर्ण जनहितैषी योजना है, जिसके माध्यम से पात्र परिवारों को विभिन्न परिस्थितियों में आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर उनका त्वरित निराकरण किया जाए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना की भी समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह योजना श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा कवच को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। योजना के तहत पात्र श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर मासिक पेंशन का लाभ मिलता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में उप जेल सुसनेर में साप्ताहिक योग शिविर का समापन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति सुसनेर जिला आगर मालवा महेश लचोरिया के मार्गदर्शन में दिनांक 15 जून 2026 से दिनांक 21 जून 2026 तक उपजेल सुसनेर में सात दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम चल रहा था। जिसका रविवार को समापन किया गया। इस अवसर पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुसनेर सुश्री वंशिका गुप्ता, जेल अधीक्षक प्रिंस सिंह, पैरालीगल वॉलेंटियर आत्माराम बामनिया, न्यायालयीन कर्मचारीगण, जेल स्टाफ एवं जेल में निरुद्ध बंदीगण उपस्थित रहे।

शिविर के समापन अवसर पर बंदियों को संबोधित करते हुए, मुख्य अतिथि माननीय न्यायाधीश सुश्री वंशिता गुप्ता द्वारा बताया गया कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग हमें तनाव से मुक्ति, मानसिक शांति और बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करता है। सहायक जेल अधीक्षक प्रिंस सिंह द्वारा बताया गया कि नियमित योग करने से हमारा शरीर मजबूत बनता है, एकाग्रता बढ़ती है और जीवन में सकारात्मकता आती है।

मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जेल प्रशासन के सहयोग से बंदियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए यह पहल की गई। बंदियों को दैनिक जीवन में योग अपनाने का संदेश दिया गया।

असंभव शब्द का प्रयोग केवल कायर ही करते हैं बहादुर और बुद्धिमानी व्यक्ति अपना मार्ग स्वयं बनाते हैं श्री भदौरिया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाराणा प्रताप राजपूत समाज ट्रस्ट बदनावर के प्रतिनिधि मंडल द्वारा महाराणा प्रताप कल्याण बोर्ड के चेयरमैन केशव सिंह भदोरिया और पूर्व प्रदेश प्रवक्ता राजपाल सिंह सिसोदिया से मुलाकात की।

प्रथम नगर आगमन पर महाराणा प्रताप ट्रस्ट द्वारा साफा बांध कर महाराणा प्रताप का चित्र ओर तलवार भेट की

वही प्रतिनिधिमंडल से बात करते समय श्री भदौरिया का कहना है कि आपके द्वारा समाज हित में उत्कृष्ट कार्य किया गया हैं जिसमें महाराणा प्रताप राजपूत धर्मशाला, चौपाटी का नामकरण महाराणा प्रताप चौक, महाराणा प्रताप चौक पर विराजमान प्रतिमा, दहेज विरोधी जैसी मुहिम की सहाना की श्री भदौरिया ने कहा की असंभव शब्द का प्रयोग केवल कायर ही करते हैं बहादुर और बुद्धिमानी व्यक्ति अपना मार्ग स्वयं बनाते हैं ।

ट्रस्ट द्वारा आगामी सामाजिक कार्यक्रम का निमंत्रण दिया और ट्रस्ट की आगामी करोड़ों की योजनाएं जिसमें धर्मशाला में राजपूत बोर्डिंग, लाइब्रेरी, जिम, शस्त्र और शास्त्र योग व्यायाम अकेडमी आगामी योजनाओं से अवगत कराया गया ।

प्रतिनिधि मंडल के रूप में राजपूत समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष अंतर सिंह पवार, भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय सिंह पवार, ग्रामीण प्रेस क्लब अध्यक्ष पोपसिंह राठौर(पप्पी बना), पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष दिलीप सिंह चौहान, लक्ष्मण सिंह पवार,करणी सेना जिला अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह बैगन्दा, बापू सिंह यादव, दशरथ सिंह डोडिया , राकेश सिंह चौहान,मदन सिंह देवड़ा, डॉ कमल सिंह राठौर आदि समाजजन उपस्थित।

बदनावर के अखाड़े मे दंगल-ए-सियासत में पहलवान की धोबी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर के अखाड़े से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर आ रही है। जो पहलवान कल तक सिर्फ अपने स्थानीय क्षेत्र की मिट्टी में अपनी किस्मत आजमा रहा था, वह अब नेशनल दंगल का इंटरनेशनल खिलाड़ी हो चुका है। जी हां, अब हमारा पहलवान सिर्फ अपने छोटे से क्षेत्र का नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का महा-पहलवान बन चुका है।

प्रांतीय गलियारों में चर्चा है कि इस पहलवान को चित करने के लिए विरोधी दल तो छोड़िए, अपनों की ही टोली के नौजवान पहलवान सुबह-शाम लंगोट कसकर दांव-पेच सीख रहे हैं। अखाड़े के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इन नौजवानों के पीछे जो उस्ताद बैठे हैं, वे राजनीति के मझे हुए खलीफा हैं। वे रिमोट कंट्रोल से अपने चेलों को बता रहे हैं कि कब पैर खींचना है और कब पीठ लगानी है। लेकिन हमारे पहलवान बाबू भी मौन व्रत के उस्ताद हैं। बोलते कम हैं, लेकिन जब धोबी पछाड़ मारते हैं, तो विरोधी सीधे अखाड़े से बाहर जाकर गिरते हैं। उन्हें अच्छी तरह पता है कि सामने वाले का कमज़ोर पॉइंट कहाँ है।

पहलवान के सीने पर कट्टर ईमानदारी का जो तमगा लगा है, उसकी चमक से विरोधियों की आँखें चौंधिया रही हैं। हालांकि, इस कीचड़ भरे अखाड़े में कभी-कभी पहलवान को भी समझौता करना पड़ता है। अब भाई, बड़े-बड़े दंगल जीतने के लिए कभी-कभार आटे में नमक बराबर तो समझौता करना मज़बूरी है, जैसे सेहत के लिए थोड़ा सोडियम भी तो ज़रूरी है!

विरोधियों के पेट में सबसे बड़ा दर्द यह है कि अभी तो दंगल की पहली पाली ही चल रही है और पहलवान ने सबको पानी पिला दिया है। जानकार पंडितों की मानें तो अगली पाली भी पहलवान के नाम ही फिक्स दिख रही है। पहलवान ने अपने क्षेत्र को जो गौरव दिलाया है, उसकी कल्पना तो दूर, विपक्ष ने सपने में भी नहीं सोचा था। पहलवान की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उन्होंने गुरु चुनने में कभी गलती नहीं की। सही समय पर सही उस्ताद के पैर छुए, जिसका नतीजा आज पूरा प्रदेश देख रहा है।

अखाड़े के बाहर खड़ी जनता भी तालियां बजाकर कह रही है–पहलवान तुम लंगोट कसते रहो, हम वोट कसते रहेंगे। जनता को पूरा भरोसा है कि उनका यह स्थानीय लाल अब पूरे प्रदेश में अपनी कुश्ती का डंका बजाकर ही दम लेगा।

मनूनीय महादेव से आलोट तक दस अगस्त को निकलेगी पैदल यात्रा

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जय भोले भक्त मंडल आलोट कि बैठक संपन्न गत रात्रि को जय भोले भक्त मंडल के सभी सदस्यों की एक आवश्यक बैठक रखी गई जिसमें प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी मनुनिया महादेव से आलोट अनादि कल्पेश्वर तक पैदल यात्रा निकलने का संकल्प लेकर 10 अगस्त सोमवार को मनुनिया महादेव से आलोट अनादि कल्पेश्वर तक पैदल यात्रा निकाली जाएगी वही सभी बैठक में पदाधिकारी सदस्य गण मौजूद रहे इस अवसर पर संजय काला का जय भोले भक्त मंडल सदस्य नै जन्मदिन भी मनाया गया 10 अगस्त सोमवार को प्रातः 8:00 बजे मनुनिया महादेव से पूजा कर दर्शन के बाद भव्य रूप से पैदल यात्रा आलोट अनादि कल्पेश्वर मंदिर पहुंचेगी जिसमें आकर्षक भोलेनाथ की झांकियां एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन पहुंचेंगे सभी नगर में जोर-जोर से प्रचार पर विचार किया गया एवं प्रचार प्रभारी डॉ अनिल चोपड़ा एवं योगेश निगम को नियुक्त किया गया जय भोले भक्त मंडल आलोट द्वारा निकलने वाली पैदल यात्रा का मुख्य उद्देश्य अनादि कल्पेश्वर मंदिर का जिर्णोद्वार कार्य जल्द पूरा हो क्षेत्र में अच्छी बरसात हो एवं सभी में सद्भाव बना रहे इन्हीं कामनाओं के साथ सतर्क 14 वर्ष के कार्यकाल में प्रवेश करते हुवे सभी ने सराहना की इस अवसर पर अनिल भरावा विनय निगम संजय काला अशोक पोरवाल नीरज व्यास मुकेश दुबे रवि निगम मनीष पांचाल राकेश चौहान पिंटू सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संघ के संस्थापक डॉ केशव राव बलिराम हेडगेवार जी की पुण्य स्मृति मे पौधा रोपण कर दिया पर्यावरण संदेश

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व योग दिवस के अवसर पर श्री राडी वाली माता गो शाला खामरिया मे यथार्थ बोध फाउंडेशन के संभाग प्रभारी दशरथ शर्मा ने आज गो शाला पहुँचकर किया पौधा रोपण. इस अवसर पर साथ मे संचालक समरथ बामनिया और वहा की टीम उपस्थित रही।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को ग्वालियर विमानतल पर भावभीनी विदाई

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मध्यप्रदेश के भ्रमण के उपरांत 22 जून को सुबह 10.35 बजे वायुसेना के विमान से ग्वालियर से दिल्ली रवाना हुईं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु श्योपुर जिले के कूनों से प्रातः 9.15 बजे हैलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर वायुसेना के विमानतल महाराजपुरा ग्वालियर पधारीं। उनके साथ मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल भी आए। ग्वालियर विमानतल पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह एवं महापौर श्रीमती शोभा सिकरवार ने विदाई दी।

उन्हेल पार्टी की अंदरूनी खींचतान पर बेबाकी से बोलते हुए अजय सिंह ने कहा कि चुनाव आते ही कांग्रेस का हर नेता दावेदार बन जाता है

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल पार्टी की अंदरूनी खींचतान पर बेबाकी से बोलते हुए अजय सिंह ने कहा कि चुनाव आते ही कांग्रेस का हर नेता दावेदार बन जाता है या किसी का पठ्ठा बन जाता है इसी वजह से कांग्रेस बीजेपी से नहीं बल्कि अपनों से ही चुनाव हार जाती है उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्थानीय और ज्वलंत मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस को 2028 में एकजुटता होना पड़ेगा।

इसका मुख्य उद्देश्य पार्टी को पहले से अधिक मजबूत और संगठित करना है वह घर बैठे नेताओं को आम जनता की लड़ाई लड़ने के लिए फिर से तैयार कर रहे हैं यह बात उन्होंने सोमवार को धाकड़ धर्मशाला में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ संवाद में बोले वही कार्यक्रम में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष व तराना के विधायक महेश परमार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की सरकार लगातार किसानों को परेशान करने का काम कर रही है।

देखा जाए तो किसान खाद के लिए लाइन में लगे अपनी फसलों के पैसे के लिए बैंकों के लाइन लगे हुए हैं भाजपा सरकार में हर व्यक्ति परेशान है उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि हमें आने वाले समय में एकजुट होकर सामना करना पड़ेगा उन्होंने कहा कि विद्यार्थी पेपर लिंक को लेकर आत्महत्या कर रहे हैं इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा हुए कहा कि आप के यह मुख्यमंत्री दौरे पर आते हैं तो वह विकास की बात करने कि जगह कचोरी और मोतीपाक बात करते है मुख्यमंत्री के गृह जिला में स्वास्थ्य सुविधा लाचार है ऐसी रोचक बयान बाजी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कहीं मेहतपुर विधायक दिनेश जैन बॉस ने भी संबोधित करते हुए भाजपा सरकार किसानों के साथ छल कपट कर रही न तो किसानो का बीमा राशि दे रही है वह बीमा राशि के नाम लूट रही है किसानों कि फसलों को कम भाव में तोलना ऐसी अनेक मुद्दों पर उन्होंने संबोधित किया यह कार्यक्रम कांग्रेस जिला सचिव जीवन मालवीय के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में कही गई सम्मेलन के पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ढोल धमाका के साथ पुष्प माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया एवं कांग्रेस जिला सचिव जीवन मालवीय व कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस पूर्व प्रतिपक्ष नेता अजय सिंह(राहुल भय्या) शाल श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह चौहान, प्रदेश कांग्रेस सचिव राजभान सिंह सतना जिला पंचायत सदस्य प्रताप सिंह गुर?, कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष रामेश्वर पटेल, आत्माराम पटेल, केसर सिंह पटेल, वीर सिंह राणा , मुकेश गुर्जर, सगीर भाई मेहतपुर, इसी के साथी ही ब्लाक मंडलम, सहित पूर्व मंडी उपाध्यक्ष बद्रीलाल आईसर, सरपंच मोहन गाजी, पार्षद अनिल पटेल, युवक कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष संजय धाकड़, चुन्नीलाल परमार, जीतू गुजराती, शंकर सिंह डोडिया, राकेश शर्मा और गोपाल टंडन सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

कार्यक्रम की झलकियां- रिमझिम पानी में भी मातशक्तियों व कांग्रेस कार्यकर्ताओं में मंच पर उत्साह दिखाई दिया, कार्यक्रम में आसपास क्षेत्र से किसानों की भीड़ एकत्रित दिखाई दी।

जाहिर सूचना

दिनांक – 22/06/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे पक्षकार श्री अदालत प्रसाद पिता शिवबरन प्रसाद निवासी 22, अशोक कॉलोनी, नागदा जिला उज्जैन, म.प्र. द्वारा श्री कन्हैयालाल पिता देवा जी निवासी अयोध्या बस्ती, पुवाडलिया, नागदा जिला उज्जैन के आधिपत्य एवं स्वामित्व से जुड़ी ग्राम बनबनी, तहसील नागदा जिला उज्जैन मे स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 26 कुल रकबा 0.0900 हेक्टेयर मे से 0.0450 हेक्टेयर भूमि तथा भूमि सर्वे क्रमांक 32 कुल रकबा 0.6900 हेक्टेयर मे से 0.3450 हेक्टेयर भूमि को दिनांक 16/06/2026 को रजिस्टर्ड विक्रय पंजीयन पत्र क्र. MP17IGR18822026A100733175 के माध्यम से क्रय कर लिया गया हैं । उक्त वर्णित संपत्ति का सम्पूर्ण विक्रय मूल्य 6,63,000/- अक्षरी छः लाख तिरसठ हजार रुपये का भुगतान मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता को करते हुए उप पंजीयक कार्यालय, तहसील नागदा में अपने हित में विक्रय पंजीयन निष्पादित करवा लिया गया हैं तथा उक्त संपत्ति का सम्पूर्ण स्वत्व, कब्जा एवं आधिपत्य मेरे पक्षकार अदालत प्रसाद पिता शिवबरन प्रसाद द्वारा विक्रेता कन्हैयालाल पिता देवा जी से प्राप्त कर लिया गया हैं।

उपरोक्त वर्णित संपत्ति के परिपेक्ष्य मे राजस्व नामांतरण हेतु प्रकरण क्र. 0739/अ-6/2026-27 सक्षम न्यायालय श्रीमान तहसीलदार, तहसील नागदा जिला उज्जैन के समक्ष प्रचलित हैं। यदि उक्त प्रकरण के संबंध मे किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक वित्तीय संस्था, शासकीय, अर्द्ध शासकीय, अशासकीय विभाग या किसी भी अन्य को कोई आपत्ति अथवा दावा हो, तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 [सात] दिवस के भीतर लिखित अथवा मौखिक आपति स्वयं की उपस्थिति सहित न्यायालय श्रीमान तहसीलदार, तहसील नागदा के समक्ष प्रस्तुत कर सकता हैं अन्यथा बाद मियाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सौ सूचित होवे।

अभिषेक चौरसिया "एडवोकेट"
न्यायालय परिसर, नागदा जिला उज्जैन (म.प्र.) 456331

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने चीता मित्रों से किया संवाद और चीता संरक्षण की ली जानकारी

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने अपने दो दिवसीय कूनो नेशनल पार्क के प्रवास के दौरान सोमवार को चीता मित्रों से संवाद कर चीता संरक्षण के प्रयासों की जानकारी ली। राष्ट्रपति ने चीता मित्रों से चर्चा करते हुए उनके द्वारा चीतों की सुरक्षा और आमजन के बीच चीतों के व्यवहार को लेकर किये जा रहे जन-जागरूकता के प्रयासों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने सभी चीता मित्रों से वन-टू-वन चर्चा कर परियोजना के लिए उनके द्वारा मानसेवी रूप से किये जा रहे प्रयासों की सराहना की।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को चीता मित्रों ने अवगत कराया कि कूनो नेशनल पार्क से लगे सभी ग्रामों में चीता मित्र मौजूद है, जिनके द्वारा चीतो की सुरक्षा के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। चीतो के आबादी क्षेत्र में आवागमन की स्थिति पर किये जाने वाले कार्यों के संबंध में सभी को अवगत कराया गया है। ग्रामीणों को यह जानकारी भी दी जा रही है कि स्वभाविक रूप से चीते किसी को नुकसान नहीं पहुंचाते है। चीता जब आबादी क्षेत्र अथवा खेतों में दिखाई दे तो तत्काल वन विभाग को अवगत कराया जाये, जिससे उन्हें किसी भी प्रकार से नुकसान न पहुँचे। भारत में चीतों की पुनर्बसाहट के लिए यह परियोजना अति महत्वपूर्ण है।

इस दौरान चीता मित्र श्री कुलदीप आदिवासी सिलोरी, श्री संग्राम आदिवासी एवं कु. राजनदंनी आदिवासी हथेडी, श्रीमती मल्हा आदिवासी सेसईपुरा, श्री शिवम आदिवासी पालपुर, श्री विनोद आदिवासी पैरा, श्री रामलखन आदिवासी कराहल, श्री लालाराम आदिवासी सेसईपुरा, श्री दौलतराम आदिवासी सेसईपुरा और श्री सतीश आदिवासी मोरावन मौजूद रहें।

इस अवसर पर वन विभाग के प्रमुख सचिव श्री संदीप यादव, पीसीसीएफ श्री शुभरंजन सेन, कमिश्नर श्री सुरेश कुमार, आईजी श्री सचिन अतुलकर, कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर अग्रवाल, सीसीएफ श्री उत्तम कुमार, डीएफओ श्री आर थिरूकुराल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

उल्लेखनीय है कि कूनो नेशनल पार्क में चीतों की पुनर्स्थापन योजना को लगभग साढ़े तीन वर्ष से अधिक का समय हो गया है। नेशनल पार्क में नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका एवं बोत्सवाना से चीतों को लाया गया है, वर्तमान में देश में चीतों की संख्या 52 है, जिनमें से 49 चीते कूनो नेशनल पार्क में तथा 03 चीते मंदसौर स्थित गांधी सागर अभ्यारण में मौजूद है।

समयावधि पत्रों एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक में कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

सीएम हेल्पलाइन, शिक्षा, आयुष्मान कार्ड एवं जनकल्याण अभियान की प्रगति की समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में समयावधि पत्रों एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर ने मार्क ÷एे÷ किए गए समयावधि पत्रों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी विभाग समयबद्ध कार्य संस्कृति को अपनाएं।

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विद्यालयों में शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए विद्यालयों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा औचक निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए जाने वाले शिक्षकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति संबंधी कार्य शासन से अनुमति प्राप्त होने के पश्चात 15 दिवस के भीतर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों की गति तेज की जाए, जिससे योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंच सके।

पर्यटन विकास के संबंध में कलेक्टर ने जिले के प्रमुख प्राकृतिक स्थलों हाथीपावा पहाड़ी एवं देवझिरी को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए संबंधित विभागों की समिति गठित कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने तथा पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए संभावनाओं का अध्ययन करने को कहा।

जन्म एवं मृत्यु पंजीयन कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य में गति लाने के लिए पंजीयन अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को समय पर एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल रिकॉर्ड का संधारण अत्यंत आवश्यक है। जनकल्याण अभियान की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिले में अभियान के तहत कुल 1 लाख 19 हजार 409 आवेदन प्राप्त हुए, जिसके आधार पर झाबुआ जिला प्रदेश में छठे स्थान पर रहा। प्राप्त आवेदनों में 1 लाख 15 हजार 108 आवेदन ग्रामीण क्षेत्रों तथा 4 हजार 301 आवेदन शहरी क्षेत्रों से प्राप्त हुए। इनमें से 1 लाख 16 हजार 474 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है।

अभियान के अंतर्गत प्राप्त सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निराकरण की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। अधिकारियों ने बताया कि अभियान अवधि में कुल 3 हजार 17 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 653 शिकायतों का निराकरण किया गया है। कलेक्टर ने 100 दिवस से अधिक अवधि से लंबित शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए तथा कहा कि नागरिकों की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान प्राथमिकता से किया जाए।

बैठक में आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के आयुष्मान कार्ड निर्माण की वर्तमान 39.1 प्रतिशत प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने संबंधित विभागों को विशेष अभियान चलाकर आगामी 15 दिनों में प्रगति को बढ़ाकर 80 प्रतिशत तक पहुंचाने के निर्देश दिए, ताकि वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मंडलोई, जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), डिप्टी कलेक्टर एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

आगामी 29 जुन को कांग्रेस के होने वाले प्रदर्शन के लिए कांग्रेस की आलोट ब्लॉक की बैठक संपन्न

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला मुख्यालय रतलाम पर आगामी 29 जुन को किसानों,मजदूर,हर आम, आदमी सहित नीट पेपर लिंक आदि मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा उक्त प्रदर्शन कर कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

जिसमें तहत् आज विधानसभा क्षेत्र के आलोट ब्लॉक,ताल ब्लॉक,बरखेड़ा ब्लॉक के समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नेताओं की बैठकों का आयोजन किया गया।। खेड़ापति हनुमान मंदिर,पालनगरा (आलोट) पर आयोजित संगठन सृजन अभियान बैठक में बड़ी संख्या कांग्रेस कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की उपस्थित में बैठक संपन्न गरिमामयी उपस्थिति रही।। कार्यक्रम का संचालन शहर कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पांचाल ने किया एवं आभार, ब्लॉक कांग्रेस मिडिया प्रभारी योगेश निगम ने माना।

कन्या माध्यमिक शाला पिटोलबड़ी के शिक्षकों को उत्कृष्ट कार्य हेतु किया गया सम्मानित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा 20 जून 2026 को विकासखंड झाबुआ अंतर्गत कन्या माध्यमिक शाला पिटोलबड़ी, संकुल केंद्र पिटोलबड़ी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान विद्यालय का संचालन व्यवस्थित एवं संतोषजनक पाया गया। विद्यालय में सभी शिक्षक उपस्थित मिले तथा छात्राओं की उपस्थिति भी अच्छी पाई गई। विद्यालय में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं के प्रभावी संचालन तथा छात्राओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने में उत्कृष्ट योगदान के लिए सहायक शिक्षक श्री नरेश मिश्रा, सहायक शिक्षक श्री कन्हैयालाल चौहान एवं प्रधान पाठक श्रीमती सूरज जाटव को कलेक्टर द्वारा सम्मानित किया गया। कलेक्टर ने शिक्षकों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने सभी शिक्षकों से इसी प्रकार समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते रहने की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर सम्मानित शिक्षकों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर उत्कृष्ट कार्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मंडलोई एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग उपस्थित रहे।

टाकली कला एवं छनेरा में विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री संजीव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आज जिले की ग्राम पंचायत टाकलीकला एवं छनेरा में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खंडवा के सचिव श्री पीयूष भावे एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दिलावर सिंह ने उपस्थित ग्रामीणजनों को संबोधित कर निशुल्क विधिक सहायता संबंधी योजनाओं के बारे में बताया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री पीयूष भावे ने अपने संबोधन में नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों, गिरफ्तारी के समय प्राप्त कानूनी संरक्षण, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम तथा अन्य महत्वपूर्ण कानूनों के बारे में सरल एवं सहज भाषा में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

बड़वानी जिला न्यायालय परिसर में मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री महेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला न्यायालय परिसर बड़वानी में 21 जून 2026 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि योग दिवस पर सबके स्वस्थ्य रहने की कामना करता है, योग भारत वर्ष की अमूल्य धरोवर का सम्मान करने के लिए एकत्रित हुवे है ।

जिसका लोहा पूरा विश्व मानता है आज की व्यस्ततम जिन्दगी में तनाव भाग-दौड़ इसमें निश्चित रूप मानसिक व शारीरिक परेशानी उत्पन्न हो रही है। हम योग करने करके एक सकारात्मक उर्जा ग्रहण कर सकते है प्राचीन परम्परा को पूरे विश्व ने मान्यता दी है योग को अपने जीवन में शामिल करे। सचिव श्री अमूल मण्डलोई ने कहा कि योग दिवस को मनाने का उद्देश्य है कि आमजन को जागरूक करना है योग केवल शारीरिक व्यायाम नही है ब्लकि शरीर आत्मा और मन के बीच संतुलन बनाने का माध्यम है योग करने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है साथ ही मेन्टल स्ट्रेस कम होता है। अध्यक्ष अधिवक्ता संघ बड़वानी श्री सोहनलाल पाटीदार द्वारा योग के लाभ बताये व प्रतिदिन योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। योग दिवस पर योग शिक्षक अधिवक्ता श्री संजय जोशी द्वारा अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, मडुकासन, कपालभाति एवं अनेक योग क्रियाए करवाई गई । साथ ही इस वर्ष सेधवा, राजपुर, अंजड़, खेतिया तहसील न्यायालयों में योग दिवस के कार्यकम आयोजित किये गये है। योग दिवस के अवसर पर तृतीय अपर जिला न्यायाधीश श्रीमती रेखा चन्द्रवंशी, द्वितीय अपर जिला न्यायाधीश श्री चंन्दनसिंह चौहान, मुख्य न्यायिक मजिस्टेऊट श्री सुमित शर्मा, न्यायिक मजिस्टेऊट श्री महेन्द्रसिंह रावत, न्यायिक मजिस्टेऊट सुश्री राजश्री भार्गव, न्यायिक मजिस्टेऊट श्री पुष्पेन्द्र भार्गव अध्यक्ष अधिवक्ता संघ श्री सोहनलाल पाटीदार एवं अधिवक्तागण, श्रीमती सीमा परमार श्री नानूराम यादव शासकीय अधिवक्ता श्री दीपक चौहान, डिप्टीचीफ लीगल एड डिफेंस श्री संदीप शर्मा, एवं न्यायालय स्टॉफ व विधिक सेवा प्राधिकरण, के कर्मचारीगण उपस्थित थें।

चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला की कार्यवाही, 68 किलोग्राम लाल मिर्च पाउडर जब्त

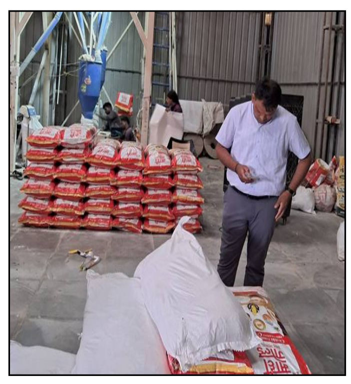

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा संभागीय चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु निरंतर निरीक्षण एवं जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को बामनिया क्षेत्र में औचक निरीक्षण कर मिर्च पिसाई केंद्रों की जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान लाल पिसी मिर्च पाउडर में रंग की मौके पर ही जांच की गई। जांच के दौरान संदेहास्पद पाए जाने पर दो मिर्च पिसाई केंद्रों से कुल 68 किलोग्राम लाल मिर्च पाउडर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा जब्त किया गया। साथ ही आगामी विस्तृत परीक्षण के लिए कुल तीन नमूने संग्रहित किए गए हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राहुल सिंह अलावा ने बताया कि संभागीय चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से जिले में प्रतिमाह हाट-बाजारों, खाद्य प्रतिष्ठानों एवं स्थानीय निर्माताओं के यहां औचक निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की जाती है। इस प्रयोगशाला की सहायता से मौके पर ही खाद्य पदार्थों का प्रारंभिक परीक्षण किया जा सकता है, जिससे संदिग्ध खाद्य सामग्री की शीघ्र पहचान संभव हो पाती है।

उन्होंने बताया कि बामनिया स्थित मिर्च पिसाई केंद्रों पर की गई जांच में लाल मिर्च पाउडर के अवमानक होने की आशंका के आधार पर कार्यवाही करते हुए 68 किलोग्राम सामग्री जब्त की गई है। इसके अतिरिक्त रूपगढ़ स्थित एक आटा फैक्ट्री से आटे का नमूना भी जांच हेतु लिया गया है।

कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राहुल सिंह अलावा, श्री वेल सिंह मोरी तथा चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के लैब टेक्नीशियन उपस्थित रहे।

पशु चिकित्सा व उद्यानिकी विभाग की योजनाओं का अधिकाधिक ग्रामीणों को लाभ दिलाएं

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में पशु चिकित्सा, मछली पालन एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपनी विभागीय गतिविधियों का व्यापक प्रचार प्रसार करें तथा विभागीय योजनाओं से अधिकाधिक पात्र ग्रामीणों को लाभान्वित करें। उन्होंने पशुपालन एवं उद्यानिकी विभाग की प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया और सम्बंधित अधिकारियों को परफोर्मेंस सुधारने की सख्त हिदायत दी। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि कृषि उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी विकास एवं मत्स्य पालन गतिविधियों से ग्रामीणों को जोड़कर जिले की अर्थव्यवस्था को गति दी जा सकती है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा को पशु चिकित्सा एवं उद्यानिकी विभाग की नियमित समीक्षा करने तथा इन विभागों की गतिविधियों की मॉनिटरिंग के लिए नियमित निरीक्षण दौरा करने के लिए कहा। उन्होंने सभी एसडीएम से कहा कि अपने अपने क्षेत्र में पशुपालन एवं उद्यानिकी विभाग की योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने उप संचालक कृषि एवं उप संचालक उद्यानिकी को निर्देश दिए कि किसानों को परम्परागत खेती छोड़कर उन्नत एवं जैविक खेती तथा प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि किसानों को उद्यानिकी फसलें अपनाने के लिए समझाइश दी जाए तथा इसके लिए गांवों में शिविर लगाकर किसानों को प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ साथ मत्स्यपालन एवं पशुपालन गतिविधियों से भी अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की प्रगति की भी समीक्षा की। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए ओंकारेश्वर में स्वीकृत सभी कार्य प्राथमिकता से गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि खण्डवा शहर में प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियां ना बने और न ही इनका विक्रय हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि खण्डवा शहर की गणेश तलाई एवं रामेश्वर कुंड के आसपास अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करें। उन्होंने निर्देश दिए कि गत वर्ष जिन भवनों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए गए थे, यदि वह टूट गए हैं तो उनकी रिपेयरिंग करा कर सही किया जाए, ताकि वर्षा का जल व्यर्थ न बहे। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अरविंद चौहान तथा एसडीएम पुनासा श्री पंकज वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सिल्वर मेडल विजेता सुदीप का किया सम्मान

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में कयाकिंग केनोइंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल विजेता श्री सुदीप ढीमर का सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि खण्डवा जिले के ग्राम सिंगाजी निवासी सुदीप पिता रणछोड़ ढीमर ने गत दिनों छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित कयाकिंग केनोइंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 2 अलग अलग वर्गों 500 मीटर एवं 200 मीटर में द्वितीय स्थान प्राप्त कर कुल 2 सिल्वर मेडल प्राप्त किए। इसके लिए कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने सुदीप और उसके पिता श्री रणछोड़ को बधाई दी और सुदीप के उज्जवल भविष्य की कामना की।

ग्राम पंचायत खड़कुई के पूर्व सरपंच एवं सचिव पर 32.80 लाख रुपये की वसूली के आदेश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान द्वारा जनपद पंचायत राणापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत खड़कुई में पंच परमेश्वर एवं अन्य योजनाओं के तहत स्वीकृत निर्माण कार्यों में अनियमितता पाए जाने पर पूर्व सरपंच एवं पूर्व सचिव के विरुद्ध वसूली की कार्यवाही के आदेश जारी किए गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत खड़कुई में पंच परमेश्वर एवं अन्य योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न फलियों में सीसी रोड निर्माण के 11 कार्य स्वीकृत किए गए थे। इन कार्यों के विरुद्ध कुल 32 लाख 80 हजार 30 रुपये की राशि आहरित की गई, किंतु संबंधित निर्माण कार्य आज तक अपूर्ण पाए गए। जांच में यह राशि वसूली योग्य पाई गई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत राणापुर द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर प्रकरण को मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी जिला पंचायत झाबुआ के समक्ष प्रस्तुत किया गया। परीक्षण उपरांत यह पाया गया कि पूर्व सरपंच श्री कमलेश चौहान एवं पूर्व सचिव श्री कैलाश पंचाल के कार्यकाल में स्वीकृत निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किए गए, जबकि उनके विरुद्ध संबंधित राशि का आहरण किया जा चुका था।

प्रकरण में मध्यप्रदेश पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 89 के अंतर्गत दोनों अनावेदकों को सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया। सुनवाई के दौरान दोनों ने अपने-अपने हिस्से की वसूली योग्य राशि 16 लाख 40 हजार 15 रुपये जमा करने हेतु समय की मांग की थी, किंतु निर्धारित अवधि बीत जाने के बावजूद राशि जमा नहीं कराई गई।

जनपद पंचायत राणापुर के प्रतिवेदन एवं उपलब्ध अभिलेखों के परीक्षण के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि संबंधित निर्माण कार्य आज भी अपूर्ण हैं तथा शासकीय धन का उपयोग नियमानुसार नहीं किया गया। विभाग द्वारा कार्य पूर्ण करने एवं राशि जमा कराने हेतु पर्याप्त अवसर दिए जाने के बावजूद कार्य पूर्ण नहीं किए गए और न ही राशि जमा कराई गई।

विहित प्राधिकारी द्वारा पारित आदेशानुसार पूर्व सरपंच श्री कमलेश चौहान से 16 लाख 40 हजार 15 रुपये तथा पूर्व सचिव श्री कैलाश पंचाल से 16 लाख 40 हजार 15 रुपये की वसूली किए जाने के आदेश जारी किए गए हैं। इस प्रकार कुल 32 लाख 80 हजार 30 रुपये की राशि की वसूली की जाएगी।

इसके अतिरिक्त पूर्व सचिव श्री कैलाश पंचाल, वर्तमान में ग्राम पंचायत माण्डलीनाथू में पदस्थ, को कार्य में लापरवाही बरतने के कारण एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने का दंड भी दिया गया है।

आदेश में यह भी उल्लेखित किया गया है कि वसूली की निर्धारित राशि एक माह के भीतर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत राणापुर के कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं किए जाने की स्थिति में मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 तथा मध्यप्रदेश पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के अंतर्गत भू-राजस्व बकाया के रूप में वसूली सहित नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा सह अंतर्विभागीय समन्वय बैठक सम्पन्न

बड़वानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागृह में समय-सीमा सह अंतर्विभागीय समन्वय की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन,जलगंगा संवर्धन अभियान, राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य और रासायनिक खाद वितरण सहित अन्य विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला, संयुक्त कलेक्टर श्री रवि वर्मा सहित अन्य विभागों के प्रमुख उपस्थित रहे। 1.बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उन्होंने कुछ विभागों द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे बेहतर कार्य की सराहना की, वहीं अन्य विभागों को अपने निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में स्पष्ट किया कि जन शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन विभागों की शिकायतें एल-3 स्तर पर लंबित हैं वे स्वयं सम्बंधित स्तर के अधिकारियों से निरंतर संवाद और समन्वय स्थापित करें एवं शिकायतकर्ता से सीधे बात कर उनकी समस्याओं का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराया जाए, ताकि कोई भी प्रकरण अकारण लंबित न रहे।

राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा कर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सभी तहसीलदार को तहसीलदार कोर्ट में लंबित प्रकरणों एवं ऋष्टरू्र पोर्टल पर दर्ज सीमांकन, बंटवारा और नामांतरण आदि प्रकरणों की निराकरण दर को बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने फार्मर आईडी की कम प्रगति पर सभी पटवारियों को तत्काल फील्ड पर सक्रिय करने और बचे हुए शेष कार्य को पूर्ण करते हुए गति लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, खसरा लिंकिंग के वर्तमान कार्यपूर्णता पर असंतोष जताते हुए इसे तत्काल बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में आगामी खरीफ सीजन के मद्देनजर कृषि, मार्कफेड और सहकारिता विभाग द्वारा रासायनिक खाद वितरण की अनुभाग वार स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान अधिकारियों को ब्लॉकवार खाद वितरण रिपोर्ट प्रस्तुत कर किसानों को संतुलित खाद उपयोग के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, मार्कफेड वितरण केंद्रों पर बैठने की समुचित व्यवस्था और डेटा ऑपरेटरों की तैनाती जैसी बुनियादी सुविधाओं को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए है।

रोजगार की पढाई, चलों आईटीआई, प्रवेश हेतु अतिम तिथि 30 जून

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के युवाओं के लिए, उनके रोजगार हेतु आईटीआई प्रवेश लेकर कौशल शिक्षा प्राप्त कर बेहतर रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर है। हमारे देश और प्रदेश की उन्नति का सबसे मजबूत आधार हमारे युवाओं का कौशल है। अगर युवाओं के पास कौशल होगा, तो रोजगार खुद-ब-खुद आपके पास आयेगा। शासकीय आईटीआई बडवानी के प्राचार्य श्री केतन मालवीया के द्वारा बताया गया कि बडवानी जिले की समस्त शासकीय आईटीआई में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। यदि आप 8वीं, 10वीं,12वीं पास है और अपने भविष्य को एक नई व सुरक्षित दिशा देना चाहते है, तो यह आपके लिए सबसे बेहतरीन अवसर हैं और बहुत ही कम खर्च में आप उच्च स्तरीय तकनीकी और व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त कर रोजगार,स्वरोजगार से जुड सकते है। महिला सशक्तिकरण को बढावा देने के लिए सभी आईटीआई में 35 प्रतिशत सीटें महिला प्रशिक्षणार्थियों के लिए आरक्षित है।

इच्छुक युवा प्रवेश के लिए पोर्टल www.dsd.mp.gov.in; mpiti-counseling.co.in पर जाकर अपना पंजीयन करा सकते है। यदि ऑनलाईन फार्म भरने में कोई असुविधा है, तो अपने नजदीकी किसी भी शासकीय आईटीआई में संचालित हेल्पडेस्क के माध्यम से आसानी से अपना पंजीयन करा सकते है। प्रवेश हेतु अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है।

बडवानी जिलें के इन केन्द्रो पर संपर्क करेंः- शासकीय आईटीआई बडवानी, अथवा जिले के अन्य नजदीकी आईटीआई जैसें निवाली, राजपुर, पाटी, पानसेमल में संपर्क कर सकते है। एनसीवीटी मान्यता प्राप्त टेऊड्स- इलेक्टिशियन 2 वर्ष 20 सीट, इलेक्ट्रिशियन(डीएसटी) 2 वर्ष की 20 सीटें, फिटर 2 वर्ष की 20 सीटें, टर्नर 2 वर्ष की 20 सीटें, कोपा 1 वर्ष की 48 सीटें, मैकेनिक डिजल 1 वर्ष की 48 सीटें, वेल्डर 1 वर्ष की 40 सीटें आदी शामिल है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

जिला अस्पताल में गंदगी देख भड़के एनक्यूएएस मूल्यांकनकर्ता

शराब की बोतलें मिलीं, बंद बगीचे का ताला खुलवाया- री-सर्टिफिकेशन जांच में खुलीं परतें, उठे गंभीर सवाल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल चरक भवन में नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड के री-सर्टिफिकेशन के लिए पहुंची राष्ट्रीय मूल्यांकन टीम के निरीक्षण में अस्पताल की कई अव्यवस्थाएं सामने आ गईं। अस्पताल परिसर में फैली गंदगी, मुख्य गेट के आसपास पड़ी शराब की खाली बोतलें और लंबे समय से बंद पड़ा बगीचा देखकर टीम ने कड़ी नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को मौके पर ही फटकार लगाते हुए व्यवस्थाएं तत्काल सुधारने के निर्देश दिए गए।

सोमवार सुबह महाराष्ट्र की डॉ. स्वर्णा, पंजाब की रुपिंदर कौर और पटना के डॉ. विजय चंद्र झा सहित विशेषज्ञों की टीम ने अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार से निरीक्षण शुरू किया। जैसे ही टीम परिसर में पहुंची, कई स्थानों पर गंदगी नजर आई। इस पर टीम ने सख्त रुख अपनाते हुए फेसिलिटी सुपरवाइजर को स्पष्ट शब्दों में कहा कि उन्हें किसी का आई-कार्ड नहीं देखना है, बल्कि एक घंटे के भीतर पूरा अस्पताल साफ-सुथरा दिखाई देना चाहिए। इसके बाद सफाई एजेंसियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।

निरीक्षण के दौरान सबसे ज्यादा नाराजगी उस समय सामने आई जब अस्पताल परिसर और मुख्य गेट के आसपास शराब की खाली बोतलें एवं अन्य अनुपयोगी सामग्री बिखरी मिली। टीम ने इसे अस्पताल की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल बताते हुए अधिकारियों से जवाब मांगा। मूल्यांकनकर्ताओं ने कहा कि मरीजों के इलाज और स्वास्थ्य सेवाओं के केंद्र में इस तरह की स्थिति कतई स्वीकार्य नहीं है। अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग बढ़ाने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के निर्देश दिए गए।

टीम को अस्पताल परिसर में एक बगीचा भी बंद मिला। बगीचे पर ताला लगा होने पर मूल्यांकन दल ने तत्काल ताला खुलवाया और अंदर जाकर स्थिति का निरीक्षण किया। अधिकारियों से पूछा गया कि मरीजों और उनके परिजनों के उपयोग के लिए विकसित किए गए इस स्थान को आखिर क्यों बंद रखा गया है। टीम ने बगीचे को व्यवस्थित कर आम उपयोग के लिए खोलने के निर्देश दिए। जांच के दौरान शासकीय भोजनशाला की व्यवस्थाओं की भी पड़ताल की गई। वहां मेन्यू बोर्ड प्रदर्शित नहीं मिलने पर टीम ने तत्काल मेन्यू बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। शिकायत पेटी की व्यवस्था, उसकी चाबी किसके पास रहती है और शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया को लेकर भी विस्तार से जानकारी ली गई। मूल्यांकन दल ने अस्पताल में प्रदर्शित सिटीजन चार्टर का अवलोकन किया और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी की भी जांच की। इसके अलावा बायो मेडिकल वेस्ट और कचरा प्रबंधन व्यवस्था का परीक्षण करते हुए कचरा संग्रहण वाहन का निरीक्षण किया गया तथा उसकी तस्वीरें रिकॉर्ड के लिए ली गईं। एनक्यूएएस री-सर्टिफिकेशन के इस निरीक्षण ने जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं की वास्तविक तस्वीर सामने ला दी है। अस्पताल प्रशासन अब व्यवस्थाओं में सुधार कर गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरने की चुनौती का सामना कर रहा है। फिलहाल निरीक्षण के बाद अस्पताल परिसर में दिनभर जिम्मेदार अधिकारियों में खासी बेचैनी देखी गई।

अयोध्या दान चोरी विवाद के बीच महाकाल मॉडल की चर्चा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अयोध्या के राम मंदिर में दान राशि को लेकर उठे विवाद और चोरी के आरोपों के बाद देशभर के बड़े मंदिरों की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे समय में उज्जैन का महाकाल मंदिर के डिजिटल प्रबंधन की चर्चा होने लगी है। महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए ऑनलाइन दान की व्यवस्था पिछले एक वर्ष से लागू है, जिससे दान प्रक्रिया का ऑनलाईन रिकार्ड मौजूद है। अयोध्या के राम मंदिर में हुई करोड़ों की दान चोरी और उस पर चल रही एसआईटी जांच के बीच प्रदेश सरकार ने देवस्थानों की व्यवस्थाओं को अधिक पारदर्शी बनाने का निर्णय लिया है, लेकिन महाकाल मंदिर इस दिशा में पहले ही कदम बढ़ा चुका था। मंदिर परिसर में दान, लड्डू प्रसाद, शीघ्र दर्शन और भक्त निवास की बुकिंग व भुगतान के लिए विभिन्न स्थानों पर क्यूआर कोड लगाए गए हैं। श्रद्धालु सीधे डिजिटल माध्यम से भुगतान कर सकते हैं, जिससे नकदी के लेन-देन की आवश्यकता कम हुई है। मंदिर प्रशासन के अनुसार ऑनलाइन दान व्यवस्था से हर लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रहता है। भगवान महाकाल की प्रतिमा, अन्नक्षेत्र और अन्य धार्मिक गतिविधियों के लिए मिलने वाले दान को भी व्यवस्थित रूप से दर्ज किया जाता है। अयोध्या में दान प्रबंधन को लेकर उठे सवालों के बीच महाकाल का यह मॉडल अब अन्य बड़े मंदिरों में भी लागू हो सकता है।

हिरासत में आते ही उतरी युवक की आशिकी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घट्टिया तहसील के सलामता में रहने वाले गोविंद पिता रघुनाथ को पुलिस हिरासत में आते ही एकतरफा आशिकी उतर गई। थाना प्रभारी करण खोवाल ने बताया कि आरोपित ग्राम झीतरखेड़ी में रहने वाली युवती के साथ पढ़ाई करता था। युवती ग्रेज्युशन करने के लिये बाहर चली गई। गोविंद जेसीबी चलाने लगा। ग्रेज्युशन के बाद युवती की परिवार ने विजयागंजमंडी में शादी कर दी। लेकिन एकतरफा आशिकी में डूबे गोविंद की हरकते कम नहीं हुई। उसने युवती को फोन कॉल कर परेशान करना शुरू कर दिया। मायके आने पर उसके साथ छेड़छाड़ का प्रयास किया। यहीं नहीं कुछ दिन पहले उसने युवती के घर पथराव भी कर दिया था। युवती के परिवार ने मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ग्राम सलामता में दबिश देकर युवक को हिरासत में लिया। जिसकों सलाखों में बंद करते ही आशिकी उतर गई। थाना प्रभारी के अनुसार उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया गया था, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

दो बूंद हर बार पोलियो पर जीत रहे बरकरार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार वर्ष 2026 में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया जा रहा है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया कि जिला उज्जैन में राष्ट्रीय पल्स पोलियो का आयोजन 28 जून 2026 रविवार को किया जाएगा। जिसके अन्तर्गत 0 से 5 वर्ष उम्र तक के बच्चों को दो बूंद पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। विभाग द्वारा इस के लिए सम्पूर्ण जिले में पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे, जहां दो बूंद पोलियो की दवाई पिलाई जाएगी।

देवासरोड पर बाइक-डम्पर में भिड़ंत, 1 की मौत 2 घायल

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार सुबह देवास रोड पर डम्पर और बाइक के बीच भिड़ंत हो गई। बाइक पर सवार 1 युवक की मौत हो गई। दो की हालत गंभीर बनी हुई है। दुर्घटना के बाद एक घायल और मृतक को चरक अस्पताल लाया गया था। एक को निजी अस्पताल ले जाया गया है।

देवास रोड स्थित ग्राम नरवर में सुबह 10.30 बजे देवास की ओर से आ रहे डम्पर क्रमांक एमपी 04 झेडके 3751 ने अपनी रफ्तार की चपेट में बाइक सवार युवकों को ले लिया। दुर्घटना काफी भीषण थी। एक बाइक सवार युवक के दोनों पैर कटकर अलग हो गए जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। दो गंभीर रूप से घायल है। जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक की पहचान धर्मेन्द्र पिता शंकरलाल 40 साल निवासी नरवर के रूप में हुई है। घायल रौशन पिता देवीलाल निवासी नरवर है। दुर्घटना में दूसरे घायल को निजी अस्पताल ले जाया गया था जिसका नाम सामने नहीं आ पाया। बताया जा रहा है कि तीनों सेंटिंग का काम करते है और सुबह बाइक से साइड पर जाने के लिए निकले थे। दुर्घटना की जानकारी लगने और नरवर के युवकों की मौत होने पर ग्रामवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। 200 से 250 की संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए और चक्काजाम कर दिया। उनका कहना था कि आए दिन मार्ग पर बड़े वाहनों से दुर्घटना हो रही है। वाहन चालक तेजगति से उज्जैन देवास के बीच दौड़ते रहते हैं। पूर्व में भी गांव के कुछ युवकों की जान जाना सामने आ चुका है। बावजूद पुलिस और प्रशासन तेज गति से दौड़ते वाहनों की रफ्तार पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। दुर्घटना और चक्काजाम की जानकारी मिलने पर नरवर थाना प्रभारी बछू मंडलोई टीम के साथ मौके पर पहुंच गए थे। इस दौरान सामने आया कि चालक डम्पर छोड़कर भाग निकला है। पुलिस ने चक्काजाम कर रहे ग्रामीणों को सख्त कार्यवाही का आश्वासन देकर मामला शांत कराया और मौके से डम्पर को जप्त कर लिया।

झमाझम बारिश से तरबतर हुआ उज्जैन, एक घंटे की तेज बरसात से मौसम हुआ सुहाना

तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ बरसे बादल, कई इलाकों में हुआ जलभराव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सोमवार दोपहर मौसम ने अचानक करवट ली और करीब एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश ने पूरे शहर को भिगो दिया। तेज हवाओं और बादलों की गड़गड़ाहट के साथ शुरू हुई बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली, वहीं कई निचले इलाकों में पानी भरने की स्थिति बन गई।

दोपहर करीब 1:45 बजे शुरू हुई तेज बारिश ने कुछ ही देर में सड़कों को जलमग्न कर दिया। नीलगंगा, एटलस चौराहा, केडी गेट सहित कई क्षेत्रों में पानी जमा होने लगा। बारिश के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि लंबे समय बाद दिन में हुई तेज बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया और लोगों ने राहत महसूस की।

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को हुई तीन इंच से अधिक बारिश के बाद शहर में अब तक कुल 99 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की जा चुकी है। लगातार हो रही प्री-मानसून गतिविधियों के कारण बादलों की आवाजाही बनी हुई है। वेधशाला प्रभारी राजेंद्र गुप्त ने बताया कि शनिवार और सोमवार को हुई बारिश प्री-मानसून बारिश है। वातावरण में पर्याप्त नमी मिलने पर ऐसे बादल बनते हैं, जो आगे बढ़ते हुए विभिन्न क्षेत्रों में बारिश करते हैं। उन्होंने बताया कि फिलहाल उज्जैन में मानसून ने प्रवेश नहीं किया है और नियमित मानसूनी बारिश के लिए लोगों को अभी करीब एक सप्ताह और इंतजार करना पड़ सकता है।

बारिश के बाद तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा, जिससे मौसम अपेक्षाकृत ठंडा और सुहावना महसूस हुआ। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में भी प्री-मानसून गतिविधियां जारी रह सकती हैं, लेकिन अच्छी और लगातार बारिश के लिए मानसून के आगमन का इंतजार करना होगा।

14 साल की भांजी के साथ मामा ने किया दुष्कर्म

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नीलगंगा थानाक्षेत्र की रहने वाली 14 साल की बालिका ने बीती शाम जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल लाया गया जहां सामने आया कि मामा ने उसके साथ गलत काम किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामा को हिरासत में ले लिया है। नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली 14 साल की बालिका ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। हालत बिगड़ने पर परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टर ने हालत गंभीर से उपचार के लिए भर्ती किया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस बयान दर्ज करने अस्पताल पहुंची। जहां जहर खाने का कारण पूछने पर मामला संगीन होना सामने आया। बालिका ने बताया कि मामा ने उसके साथ गलत काम किया है। पूर्व में भी एक बार उसने जबरदस्ती दुष्कर्म किया था। परिवार को नहीं बताने की धमकी दे रहा था। थाना प्रभारी के अनुसार मामला दर्ज कर मामा की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी गई। जिसे हिरासत में ले लिया गया है बालिका की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सुबह सोमवार दोबारा पुलिस की टीम बालिका से पूछताछ करने अस्पताल पहुंची है। बालिका की अस्पताल से छुट्टी होते ही न्यायालय में बयान दर्ज कराए जाएंगे।

फैक्ट्री में गिरकर घायल हुए युवक की मौत

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी रोड स्थित नीमनवासा फैक्ट्री में काम करने वाले युवक की गिरने के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान भाई ने गंभीर आरोप लगाए है। पीएम रिपोर्ट के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।

अतिरिक्त विश्वबैंक कॉलोनी में रहने वाला सुनील पिता राधेश्याम सोलंकी 24 साल नीमनवासा स्थित वेल्डिंग मशीन बनाने की फैक्ट्री में काम करता था। शनिवार सुबह फैक्ट्री में गिरने से वह घायल हो गया था। लेकिन फैक्ट्री में काम करने वाले और मालिक द्वारा परिवार को सूचना नहीं दी गई और उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से दूसरे अस्पताल ले जाया गया। वहां भी डॉक्टरों ने रैफर कर दिया। फैक्ट्री मालिक घायल कर्मचारी सुनील को चार अस्पताल लेकर घूमा और फिर निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। सुनील के घायल होने के पांच घंटे बाद परिजनों को सूचना दी गई। उपचार के दौरान रविवार देर शाम उसकी मौत हो गई। पंवासा पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया। इस दौरान सामने आया कि सीढ़ियों से गिरने पर घायल हुआ था। सुबह पोस्टमार्टम के दौरान भाई मनोज ने आरोप लगाया कि सुनील की मौत फैक्ट्री मालिक की लापरवाही की वजह से हुई है। यह हादसा नहीं हत्या है। पुलिस ने परिवार को निष्पक्ष जांच का आश्वासन देकर शव अंतिम संस्कार के लिए सौंपा है।

स्थानीय निकाय मतदाता सूची पुनरीक्षण की अंतिम तिथि 25 जून

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 के तहत उज्जैन जिले में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोग के कमिश्नर श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं सचिव के मार्गदर्शन में आयोग की ब्रांड एंबेसडर सारिका घारू ने अभियान की कमान संभाली। कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह के निर्देशन में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं।

इस अवसर पर सारिका घारू ने नागरिकों का एक बड़ा भ्रम दूर करते हुए स्पष्ट किया कि लोकसभा या विधानसभा की मतदाता सूची और स्थानीय निकाय की मतदाता सूची दोनों अलग-अलग होती हैं। जिन नागरिकों का नाम विधानसभा की मतदाता सूची में दर्ज है, उन्हें भी पंचायत एवं नगर निकाय चुनावों के लिए स्थानीय निकाय की मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचना चाहिए।

सारिका घारू ने कहा कि जो युवा 1 जनवरी 2026 को अथवा उससे पूर्व 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं, वे तत्काल अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाएं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि मतदाता सूची में नाम, पता अथवा अन्य विवरण संबंधी त्रुटियों के सुधार के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा बढ़ाई गई 25 जून 2026 की अंतिम तिथि का लाभ अवश्य उठाएं।

उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों की मतदाता सूची में नाम दर्ज होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहभागिता के लिए आवश्यक है।

भस्म आरती में 'रीपीट एंट्री' पर रोक

एक मोबाइल नंबर से 3 माह में सिर्फ एक बार मिलेगी अनुमति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महाकाल की विश्व प्रसिद्ध भस्म आरती में बार-बार अनुमति लेकर शामिल होने वाले श्रद्धालुओं पर अब रोक लगेगी। महाकाल मंदिर समिति ने व्यवस्था को सख्ती से लागू करते हुए तय किया है कि एक मोबाइल नंबर से भस्म आरती की अनुमति मिलने के बाद उसी नंबर का उपयोग दोबारा तीन माह तक नहीं किया जा सकेगा। यह नियम प्रोटोकॉल के माध्यम से अनुमति लेने वालों पर भी समान रूप से लागू रहेगा।

मंदिर समिति के अनुसार भस्म आरती की अनुमति को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यह कदम उठाया गया है। कई ऐसे मामले सामने आए थे, जिनमें एक ही मोबाइल नंबर से बार-बार अनुमति लेकर लोग हर माह भस्म आरती में शामिल हो रहे थे, जबकि बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतीक्षा सूची में रह जाते थे।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2024 में तत्कालीन कलेक्टर नीरज सिंह ने भी ऑनलाइन बुकिंग में पारदर्शिता लाने के लिए एक आधार कार्ड और एक मोबाइल नंबर से तीन माह बाद ही दोबारा अनुमति देने की व्यवस्था लागू की थी। हालांकि बाद में यह व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू नहीं रह सकी। अब मंदिर प्रशासन ने इसे फिर से सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया है।

महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि यह नियम पहले से मौजूद है, लेकिन अब इसे अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि भस्म आरती में अधिक से अधिक नए श्रद्धालुओं को दर्शन का अवसर मिल सके और अनुमति प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। मंदिर समिति का मानना है कि नई व्यवस्था से सीमित सीटों का लाभ अधिक श्रद्धालुओं तक पहुंच सकेगा।

पीआईयू ने जल जीवन मिशन में बहुग्राम पेयजल योजनाओं और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन से स्थापित किए नए मानक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश जल निगम की प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत बहुग्राम पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन में सफलता और नवाचार की नई मिसाल कायम की है। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, पारदर्शी प्रशासन और समर्पित प्रयासों से ग्रामीण जल आपूर्ति को न केवल सुनिश्चित किया गया है, बल्कि इसे स्मार्ट, विश्वसनीय और जन-केंद्रित भी बनाया गया है। उज्जैन PIU आज पूरे प्रदेश के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल बन चुका है।

इंदोख मल्टी विलेज स्कीम- 97% प्रगति के साथ जल क्रांति- अगस्त 2022 में प्रारंभ इस महत्वाकांक्षी योजना में कुल 231 गांव शामिल हैं। वर्तमान में 97% भौतिक प्रगति हासिल की जा चुकी है।

129 गांवों में सफलतापूर्वक जल आपूर्ति प्रारंभ हो चुकी है तथा अब तक 33,050 नल कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं।

राज्य की अन्य योजनाओं की तुलना में इसने नए मानक स्थापित किए हैं। पूर्व की कठिनाइयां (बाल्टियों से पानी भरना) को अब अतीत की बात बना दिया गया है।

नर्मदा-गंभीर मल्टी विलेज स्कीम - जल बीमा की अनूठी अवधारणा- सितंबर 2023 में शुरू इस विशाल योजना में 914 गांव शामिल हैं। 90% भौतिक प्रगति के साथ जल परीक्षण का कार्य प्रारंभ हो चुका है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है डुअल इंटेक व्यवस्था – जो उज्जैन शहर और ग्रामीण क्षेत्रों दोनों के लिए जल बीमा का काम करती है। यह व्यवस्था न केवल जल संकट का निवारण करती है, बल्कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन- 17 प्लेटफॉर्म से पूर्ण पारदर्शिता और स्मार्ट प्रबंधन- जल निगम ने प्लानिंग, क्रियान्वयन, मॉनिटरिंग, संचालन-संरक्षण, सामाजिक चेतना और सामुदायिक भागीदारी के लिए 17 डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किए हैं। प्रमुख उपलब्धियां-

सार्थक मोबाइल ऐप (सितंबर 2023) – जीपीएस आधारित मोबाइल उपस्थिति और गतिविधि ट्रैकिंग

वाहन जीपीएस ट्रैकिंग (फरवरी 2024) – रीयल-टाइम लोकेशन मॉनिटरिंग

पूर्ण ई-ऑफिस (अक्टूबर 2024) – पेपरलेस कार्य प्रबंधन और पूर्ण पारदर्शिता

5910 किमी. पाइपलाइन का पूर्ण GIS मैपिंग एवं जियो-टैगिंग (333 पॉइंट्स)

SCADA सिस्टम – केंद्रीकृत नियंत्रण, रीयल-टाइम फ्लो/प्रेशर मॉनिटरिंग एवं स्वचालन

जल रेखा – RFI प्रक्रिया का पूर्ण डिजिटलीकरण, गुणवत्ता गारंटी (भरोसा, मटेरियल टेस्टिंग, क्यूब टेस्टिंग)

उज्जैन में डीपटेक रिचर्स एंड डिस्कवरी सेंटर खुलने की प्रक्रिया तेज हुई

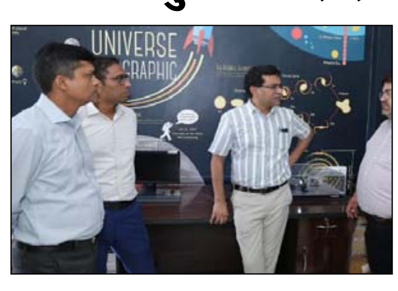

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश को विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए उज्जैन में डीपटेक रिसर्च एंड डिस्कवरी सेंटर खोलने के लिए प्रक्रिया तेज हो गई है। सेंटर को जल्दी प्रारंभ करने के लिए स्थान चिन्हित किया गया है। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव श्री एम. सेलवेंद्रन के साथ संभागायुक्त श्री आशीष सिंह, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की बैठक हुई। बैठक में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी के साथ ही आईआईटी की टीम के सदस्य भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रमुख निवेश (लीड इन्वेस्टमेंट) आकर्षित करने के लिए विशेष कार्य योजना के साथ उज्जैन में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए नई कार्य योजना तैयार की गई है। इसके अंतर्गत डीपटेक रिसर्च एंड डिस्कवरी सेंटर आईआईटी इंदौर के साथ मिलकर उज्जैन में खोला जाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश के बाद सोमवार को प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव श्री एम. सेलवेंद्रन, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी के साथ आईआईटी की टीम के सदस्यों के साथ उज्जैन पहुंचकर संभागायुक्त श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के साथ तारामंडल पर सेंटर की स्थापना को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर सेंटर स्थापित करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई। बैठक में तय किया गया कि सेंटर को शीघ्र प्रारंभ करने के लिए स्थान का चयन किया जाए। इस दौरान तारामंडल के प्रभारी डॉ. मनोज राठौर भी मौजूद रहे। बैठक के बाद प्रमुख सचिव श्री सेलवेंद्रन, संभागायुक्त श्री सिंह, कलेक्टर श्री सिंह, परिषद के महानिदेशक डॉ. कोठारी, डॉ.राठौर के साथ ही आईआईटी की टीम ने शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज का निरीक्षण किया। इंजीनियरिंग कॉलेज में स्थान का चयन करने के बाद सेंटर की स्थापना के साथ साइंस सिटी निर्माण में जो आवश्यक कार्यवाही की जाना है उसके संदर्भ में निर्देश दिए गए। आईआईटी इंदौर के साथ मिलकर जल्दी ही डीपटेक रिसर्च एंड डिस्कवरी सेंटर की स्थापना किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछले दिनों समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के कार्यों एवं अन्य गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली थी।

शेयर मार्केट में मुनाफे का झांसा देकर ठगे 10.90 लाख

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शेयर मार्केट में मुनाफे का झांसा देकर साफ्टवेयर इंजीनियर के साथ शातिर बदमाशों द्वारा ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कराकर 10.90 लाख की ठगी कर ली। बदमाशों ने तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों के खातों में राशि का ट्रांजेक्शन कराया था। नीलगंगा थाना पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

एसआई मनोहर बडोदिया ने बताया कि विवेकानंद कालोनी में रहने वाले विकास पिता राजकुमार त्रिवेदी बैंगलूर की हेल्थ केयर कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर है। अप्रैल माह में शेयर मार्केट में इंवेस्ट के लिये उन्होंने जानकारी प्राप्त की। इस दौरान एक कंपनी से उनका संपर्क हुआ। ऑनलाइन और मोबाइल पर जानकारी लेने पर उन्हे बताया कि मुनाफा सौ प्रतिशत होगा। लेकिन मुनाफे में से 40 प्रतिशत कंपनी को देना होगा। 60 प्रतिशत तुम्हे मिलेगा। विकास त्रिवेदी बातों में आ गये और इंवेटमेंट शुरू कर दिया। शुरूआती दिनों में उन्हे मुनाफा मिला, जो प्राप्त हुआ। तथाकथित शेयर मार्केट कंपनी उनसे अलग-अलग खातों में ट्रांजेक्शन करने लगी। विकास त्रिवेदी ने अप्रैल से मई माह के बीच 10 लाख 90 हजार का ट्रांजेक्शन कर दिया। बड़ी राशि हाथ लगते ही मुनाफा देने वालों से संपर्क बंद कर दिया। उनके खाते में 60 प्रतिशत राशि आना भी बंद हो गई। अपने साथ धोखाधड़ी का आभास होने पर उन्होंने मामले की शिकायत थाने आकर दर्ज कराई। प्रारंभिक जानकारी के बाद सामने आया कि कुछ राशि तमिलनाडु के खाते में गई है। वहीं शेष राज्य अन्य राज्यों में संचालित बैंक खातों में ट्रांसफर हुई है। जिसकी जानकारी बैंकों के माध्यम से प्राप्त कर आरोपियों का पता लगाने का प्रयास किया जायेगा। शेयर मार्केट के नाम होने वाली ऑनलाइन धोखाधड़ी को लेकर पुलिस प्रशासन लगातार लोगों को जागरूक करने के साथ सतर्क कर रहा है, बावजूद लोग मुनाफे के लालच में अपनी कमाई और जमापूंजी गवां रहे है।

प्राधिकरण की नगर विकास योजना - 2 की राज्य शासन के कैबिनेट मंत्री श्री काश्यप ने समीक्षा की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम विकास प्राधिकरण द्वारा त्रिवेणी मेला स्थल के समीप प्रस्तावित नगर विकास योजना क्रमांक-2 की राज्य शासन के सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप ने गत दिवस अपने कार्यालय में समीक्षा की । उन्होंने योजना के वास्तुविद एवं परामर्शदाता, अर्बन लिंक्स,इंदौर के प्रबंध संचालक श्री मयंक जगवानी को योजना के अंतर्गत जन सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए, ताकि योजना का अधिक से अधिक जनोपयोगी स्वरूप में विकास हो सके । समीक्षा बैठक में महापौर श्री प्रहलाद पटेल, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री प्रदीप उपाध्याय, रतलाम विकास प्राधिकरण अध्यक्ष श्री मनोहर पोरवाल, उपाध्यक्ष द्वय श्री गोविंद काकानी, श्री प्रवीण सोनी, प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संजय कुमार शर्मा एवं प्राधिकरण के संबंधित कर्मचारी राजेश उपाध्याय आदि उपस्थित थे ।

योजना के परामर्शदाता श्री जगवानी ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मंत्री जी के समक्ष योजना के आवासीय, व्यावसायिक भूखंड तथा जन सुविधाओं से जुड़े प्रावधानों के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की । मंत्री काश्यप जी ने योजना के परामर्शदाता को योजना के नियोजन में आई कमियों को विशेष रूप से चिह्नित करते हुए दूर करने के निर्देश दिए।